Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 67 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, बुधवार 14 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

जत्थेदार गड़गज ने बिजी शेडयूल का हवाला देकर पेशी का समय बदला, सीएम मान बोले-मेरा उस दिन कोई और प्रोग्राम ही नहीं

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने श्री अकाल तख्त साहिब पर स्पष्टीकरण देने के समय में बदलाव को लेकर ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय जत्थेदार श्री अकाल तख्त साहिब जी, 15 जनवरी को मेरी कोई और व्यस्तता नहीं है, मैंने माननीय राष्ट्रपति जी के ऑफिस को भी बता दिया है, आपके आदेशानुसार 15 जनवरी का दिन पूरी तरह से श्री अकाल तख्त साहिब को समर्पित है। समय में बदलाव के बारे में मेरी या ऑफिस की तरफ से कोई ऑफिशियल लेटर या बयान जारी नहीं किया गया है। मैं 15 जनवरी को सुबह 10 बजे विनम्रता के साथ मौजूद रहने के लिए तैयार हूं.वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह। इससे पहले श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यवाहक जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज के आदेशों के अनुसार स्पष्टीकरण देने का समय उस दिन उनकी निर्धारित व्यस्तताओं के मद्देनजर सुबह 10 बजे से बदलकर शाम 04:30 बजे कर दिया गया है। दरअसल पंजाब के सीएम भगवंत मान की 15 जनवरी को अमृतसर में अकाल तख्त के सामने पेशी पर घमासान छिड़ गया है। आज सुबह ही अकाल तख्त सचिवालय की तरफ से बयान जारी कर पेशी का टाइम बदल दिया गया।

कनाडा के एयरपोर्ट से 180 करोड़ का सोना चोरी, 7 आरोपी गिरफ्तार; भारत से भी निकला कनेक्शन

नई दिल्ली। कनाडा के पील में पुलिस ने प्रोजेक्ट 24 के सिलसिले में एक आदमी को गिरफ्तार किया है। यह जांच 20 मिलियन डॉलर से ज़्यादा (180 करोड़) की सोने की ईंटों की चोरी से जुड़ी है। ये देश के इतिहास की सबसे बड़ी सोने की चोरी है। 43 साल के अरसलान चौधरी को टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया, जब वह दुबई, संयुक्त अरब अमीरात से फ्लाइट से आया था। पुलिस ने बताया कि चौधरी का कोई तय पता नहीं है।
17 अप्रैल, 2023 को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से एक विमान टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, इसमें लगभग 400 किलोग्राम .9999-शुद्ध सोने की खेप थी। ये 6,600 ईंटों के बराबर है और जिसका मूल्य 20 मिलियन डॉलर से अधिक है। इसके साथ ही 2.5 मिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा भी थी। इसके बाद माल को उतारकर हवाई अड्डे की संपत्ति पर एक अलग स्थान पर ले जाया गया, लेकिन कुछ घंटों बाद उसके लापता होने की जानकारी मिली। फिर पुलिस ने सीमा पार जांच शुरू की और चोरी के सिलसिले में दस लोगों की पहचान कर उन पर आरोप लगाए या उनके खिलाफ वारंट जारी किए। इनमें ब्रैम्पटन निवासी 33 वर्षीय सिमरन प्रीत पनेसर भी शामिल थे। एयर कनाडा के पूर्व कर्मचारी पनेसर पर एयरलाइन सिस्टम में हेरफेर करके माल की खेप की पहचान करने और उसे दूसरी दिशा में मोड़ने में मदद करने का आरोप है।

फिर डराने लगा निपाह वायरस, पश्चिम बंगाल में मिले 2 मामले; नड्डा ने ममता बनर्जी को किया फोन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो संभावित मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। उत्तर 24 परगना जिले के बारासात स्थित एक अस्पताल में कार्यरत दो नर्सों में निपाह संक्रमण के लक्षण पाए गए हैं। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। मामलों के सामने आने के बाद राज्य के स्वास्थ्य तंत्र को अलर्ट पर रखा गया है। इसी बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से फोन पर बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली है। राज्य सरकार ने एहतियात के तौर पर दो हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। फिलहाल दोनों संक्रमित नर्सों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों नर्स बारासात के एक ही अस्पताल में काम करती हैं और उनके निपाह वायरस से संक्रमित होने की आशंका है। उनके नमूने जांच के लिए कल्याणी एम्स भेजे गए हैं और शुरुआती रिपोर्ट में निपाह संक्रमण के संकेत मिले हैं। अधिकारियों के अनुसार, महिला नर्स नदिया जिले की रहने वाली है, जबकि पुरुष नर्स पूर्व बर्धमान जिले के कटवा क्षेत्र से है। दोनों को उसी अस्पताल में एक अलग वार्ड में भर्ती किया गया है, जहां वे कार्यरत हैं, और उनकी स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि महिला नर्स हाल ही में अपने गृहनगर कटवा से लौटी थी, जहां उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। 31 दिसंबर को उसे पहले एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर बर्दवान मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

बस्तर के समग्र विकास को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

बस्तर अंचल से सतत संवाद, विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से मजबूत होगा जनविश्वास : मुख्यमंत्री साय

डबल इंजन सरकार में बस्तर का हो रहा है सर्वांगीण विकास, विशेष केंद्रीय सहायता के लिए ठोस पहल

नक्सल उन्मूलन के साथ विकास के रोडमैप पर हुई व्यापक चर्चा

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के विकास में लंबे समय से सबसे बड़ी बाधा रहे नक्सलवाद का अंत अब निर्णायक चरण में पहुँच चुका है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के सशक्त नेतृत्व तथा सुरक्षाबलों के अदम्य साहस के कारण नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाल हो रही है। यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है कि नक्सलवाद की हिंसक विचारधारा फिर कभी सिर न उठा सके और इसके लिए बस्तर अंचल से सतत संवाद, विकास कार्यों और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर अंचल के समग्र विकास पर केंद्रित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पेयजल, बिजली और संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं का तीव्र गति से विस्तार अत्यंत आवश्यक है, ताकि दूरस्थ से दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास की रोशनी पहुँचे और शासन-प्रशासन पर लोगों का भरोसा सुदृढ़ हो। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों में स्वस्फूर्त जनभागीदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर के लोग शांति और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

बैठक में पेयजल, विद्युतीकरण और मोबाइल कनेक्टिविटी की गहन समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी समाधान के लिए सतही जल स्रोतों से आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने, शेष गांवों के शीघ्र विद्युतीकरण तथा दूरस्थ इलाकों में मोबाइल टावरों की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने आधार कार्ड निर्माण, बच्चों के लिए विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। पर्यटन विकास पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने होम-स्टे को प्रोत्साहन देने, स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत चिन्हित स्थलों के विकास, बस्तर टूरिज्म कॉरिडोर के निर्माण तथा युवाओं को पर्यटन आधारित आजीविका से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आईआईटीटीएम ग्वालियर से प्रशिक्षित बस्तर के 32 स्थानीय गाइडों को प्रशिक्षण दिए जाने के पहल की विशेष रूप से सराहना की। बैठक में वनधन केंद्रों के माध्यम से लघु वनोपज के संग्रहण एवं प्रसंस्करण, शिक्षा के क्षेत्र में भवन विहीन विद्यालयों के लिए शीघ्र राशि स्वीकृति, नवोदय एवं पीएमश्री स्कूलों का विस्तार, स्वास्थ्य अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, पीएम-अभीम योजना, बाइक एम्बुलेंस सेवा, सिंचाई परियोजनाएँ, आंगनबाड़ी एवं बालवाड़ी संचालन, ग्रामीण बस योजना तथा रोजगार और आजीविका से जुड़े विभिन्न कार्ययोजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

योजनाओं की जमीनी प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का स्पष्ट लक्ष्य बस्तर का सर्वांगीण और संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। राज्य और केंद्र सरकार मिलकर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ बस्तर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों के लिए बस्तर के विकास का एक व्यापक एक्शन प्लान तैयार कर मिशन मोड में उसका क्रियान्वयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा सचिवों को बस्तर क्षेत्र का दौरा कर योजनाओं की जमीनी प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

भुवन बाम की पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई, बिना अनुमति के अपलोड की गईं तस्वीरें हटाने का निर्देश

मुंबई (एजेंसी)। डिजिटल दुनिया में अपने कंटेंट और शो 'ताजा खबर' के लिए पहचाने जाने वाले यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम इन दिनों पर्सनैलिटी राइट्स मामले को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की।

भुवन ने शिकायत की थी कि उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी अनुमति के बिना अपलोड किए गए हैं। इनमें कुछ वीडियो ऐसे हैं जिनमें उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर लोगों को निवेश के लिए उकसाया जा रहा है।

दरअसल, भुवन बाम ने अपनी पहचान और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में उन्होंने कहा कि उनकी तस्वीरें और वीडियो विभिन्न प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के अपलोड किए जा रहे हैं, जो उनके और फैंस के लिए मानसिक और वित्तीय नुकसान का कारण बन सकते हैं।

मंगलवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट की जज ज्योति सिंह ने कहा कि पहले दिन, पहली नजर में पर्सनैलिटी राइट्स पर कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता। यह बहुत कठिन है कि पहले दिन ही इस पर कोई फैसला दिया जाए। फिलहाल मैं केवल अनधिकृत उपयोग से सुरक्षा प्रदान कर सकती हूं।

कोर्ट ने बिना अनुमति के अपलोड की गई भुवन बाम की तस्वीरें हटाने का निर्देश दिया।

अब 10 मिनट में नहीं मिलेगा ऑनलाइन सामान, सरकार के एक आदेश से झुकीं कंपनियां

रातों-रात बदल गया डिलीवरी का नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पलक झपकते ही यानी '10 मिनट में डिलीवरी' के जिस वादे ने ऑनलाइन बाजार में तहलका मचा रखा था, उस पर अब केंद्र सरकार ने बड़ा ब्रेक लगा दिया है। अब आपका सामान 10 मिनट में आए या न आए, लेकिन डिलीवरी कंपनियों को यह वादा अपनी विज्ञापनों से हटाना पड़ रहा है। सरकार ने डिलीवरी बॉयज की जान को जोखिम में डालने वाली इस 'रेस' को रोकने के लिए सख्त कदम उठाया है, जिसके बाद ब्लिंकिट जैसी बड़ी कंपनी ने तुरंत अपने नियम बदल दिए हैं।

मंत्री के साथ बैठक में बनी सहमति

श्रम मंत्रालय ने स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट और जेप्टो जैसी दिग्गज कंपनियों के साथ एक अहम बैठक की थी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि 10 मिनट की डेडलाइन के चलते सड़कों पर दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार के सख्त रवैये को देखते हुए कंपनियों ने आश्वासन दिया है कि वे अपने ब्रांड विज्ञापनों और सोशल मीडिया से 'समय सीमा' की शर्त को हटा देंगे।

ब्लिंकिट ने रातों-रात बदली टैगलाइन

सरकार के निर्देश का असर तुरंत देखने को मिला। ब्लिंकिट ने अपनी ब्रांडिंग से '10 मिनट डिलीवरी' का वादा हटा दिया है। पहले कंपनी की टैगलाइन थी 10 मिनट में 10,000+ प्रोडक्ट डिलीवर, जिसे बदलकर अब आपके दरवाजे पर 30,000+ प्रोडक्ट डिलीवर कर दिया गया है। आने वाले दिनों में स्विगी और जोमैटो जैसे अन्य प्लेटफॉर्म भी इसी राह पर चलते दिखाई देंगे। हड़ताल और हादसों के बाद जागी सरकार

दरअसल, 10 मिनट के चक्कर में डिलीवरी पार्टनर्स अपनी जान जोखिम में डालकर गाड़ियां दौड़ाते थे, जिससे वे अक्सर हादसों का शिकार हो रहे थे। बीते 25 और 31 दिसंबर को गिग वर्कर्स (डिलीवरी बॉयज) ने अपनी सुरक्षा को लेकर देशव्यापी हड़ताल भी की थी। इसी विरोध और बढ़ते हादसों को देखते हुए श्रम मंत्रालय ने यह फैसला लिया है ताकि गिग वर्कर्स के लिए काम करने का माहौल सुरक्षित बनाया जा सके।

दिल्ली विधानसभा ने पंजाब पुलिस को दिया नोटिस, 15 जनवरी तक मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिख गुरु के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब पुलिस को नोटिस का जवाब देने के लिए 15 जनवरी तक का समय दिया है।

विधानसभा के सचिव रंजीत सिंह ने इस बाबत जालंधर पुलिस कमिश्नर और पंजाब के डायरेक्टर जनरल को पत्र लिखा है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि पंजाब पुलिस को अब और समय नहीं दिया जा सकता है। इसके बाद दिल्ली विधानसभा पूरे मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। इससे पहले दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने आम आदमी पार्टी की नेता और सदन में नेता प्रतिपक्ष आतिशी की वीडियो क्लिप के आधार पर पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर कड़ा रुख अपनाते हुए नोटिस जारी किया। इसके बाद पंजाब पुलिस ने दिल्ली विधानसभा सचिवालय को पत्र लिखकर 10 दिन की मोहलत मांगी थी।

दिल्ली विधानसभा के विशेषाधिकारों के उल्लंघन के लिए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), विशेष डीजीपी (साइबर अपराध) और जालंधर के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किए गए।

सेना प्रमुख की पाकिस्तान को दो टूक, फिर हिमाकत की तो मिलेगा मुंहतोड़ जवाब; बोले- ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए साफ कर दिया है कि भारत अब रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक रवैया अपनाने के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर पाकिस्तान ने फिर कोई हिमाकत की, तो उसे करारा जवाब मिलेगा। सेना प्रमुख ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि इस कार्रवाई ने भारत की रणनीतिक सोच और निर्णायक क्षमता को दुनिया के सामने साबित कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह ऑपरेशन अभी जारी है और सेना को कार्रवाई की पूरी स्वतंत्रता दी गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने तोड़ी दुश्मन की कमर

जनरल द्विवेदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद की गई जवाबी कार्रवाई का ब्यौरा देते हुए बताया कि देश ने सख्त जवाब देने का फैसला किया था, जिसके तहत 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया गया। 7 मई को महज 22 मिनट के भीतर ऑपरेशन शुरू किया गया और 10 मई तक करीब 88 घंटे चली इस कार्रवाई में सेना ने दुश्मन के 9 में से 7 अहम ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। उन्होंने पाकिस्तान पर तंज कसते हुए कहा कि अब उनकी परमाणु धमकियों की हवा निकल चुकी है और भारत किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है।

कश्मीर आतंकवाद खत्म, पर्यटन ने पकड़ी रफ्तार

जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर संतोष जताते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि घाटी अब आतंकवाद से पर्यटन की ओर बढ़ रही है। साल 2025 में सेना ने 31 आतंकवादियों को ढेर किया, जिनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे। इनमें पहलगाम हमले के तीन गुनहगार भी शामिल थे, जिन्हें 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मारा गया। उन्होंने बताया कि अब घाटी में सक्रिय स्थानीय आतंकियों की संख्या 10 से भी कम रह गई है और आतंकी भर्ती लगभग खत्म हो चुकी है। इसका सकारात्मक असर यह हुआ है कि अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

चीन सीमा पर स्थिति स्थिर, कोर कमांडरों को मिले विशेष अधिकार

चीन के साथ सीमा विवाद पर जनरल द्विवेदी ने कहा कि हालात फिलहाल स्थिर हैं और शीर्ष स्तर पर बातचीत जारी है, लेकिन सीमाओं पर लगातार निगरानी बेहद जरूरी है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अस्थिरता को देखते हुए पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

सेना प्रमुख ने एक अहम जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने और तुरंत फैसला लेने के लिए अब कोर कमांडरों को विशेष अधिकार दिए गए हैं, ताकि संकट के समय दिल्ली के आदेश का इंतजार न करना पड़े।

आवारा कुत्ता मामला

'डॉग बाइट' पर तय कर सकते हैं सरकार और खाना खिलाने वाले की जवाबदेही -सुप्रीम कोर्ट

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (13 जनवरी) को आवारा कुत्तों के मामले पर अहम सुनवाई करते हुए कड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट में रिहायशी इलाकों में आवारा कुत्तों के आतंक पर संकेत दिया कि वह आवारा कुत्तों के हमलों से होने वाली किसी भी चोट या मौत के लिए नागरिक अधिकारियों और कुत्ते पालने वालों दोनों को उत्तरदायी ठहरा सकता है। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की है कि जो लोग आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित हैं, उन्हें उन्हें अपने घरों में ले जाना चाहिए, बजाय इसके कि उन्हें 'इधर-उधर घूमने, काटने और जनता को डराने' दिया जाए।

यह मौखिक टिप्पणी तब आई जब न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ आवारा कुत्तों के मुद्दे से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए कुत्ते प्रेमियों और उन्हें खाना खिलाने वालों को भी 'जिम्मेदार' और 'जवाबदेह' ठहराया जाएगा।

तय होगी जिम्मेदारी और जवाबदेही

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, 'कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मृत्यु या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा वसूलने की मांग करेंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है। साथ ही इन आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? ये कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते हैं, लोगों को काटते हैं और डराते हैं?'

न्यायमूर्ति मेहता ने न्यायमूर्ति नाथ के विचारों से सहमति जताते हुए कहा, 'जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? क्या उस संगठन को जो उन्हें खाना खिला रहा है? आप चाहते हैं कि हम इस समस्या से आंखें मूंद लें।'

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट 7 नवंबर, 2025 के अपने उस आदेश में संशोधन की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें अधिकारियों को संस्थागत क्षेत्रों और सड़कों से इन आवारा जानवरों को हटाने का निर्देश दिया गया था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट पिछले साल 28 जुलाई को शुरू किए गए एक स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा है, जो राष्ट्रीय राजधानी में आवारा कुत्तों के काटने से होने वाले रेबीज, विशेष रूप से बच्चों के बारे में एक मीडिया रिपोर्ट से संबंधित है।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नितिन नबीन 19 जनवरी को भरेंगे नामांकन, 20 को होगी घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में एक अहम संगठनात्मक बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन 19 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन फाइल करने वाले हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावक के तौर पर मौजूद रहने की उम्मीद है, जो पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच नबीन के नेतृत्व में मजबूत समर्थन और विश्वास को दिखाता है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी को भाजपा की संगठनात्मक और वैचारिक दिशा में निरंतरता और स्थिरता पर जोर देने के तौर पर देखा जा रहा है।

नामांकन प्रक्रिया भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने के लिए उसके स्थापित आंतरिक संगठनात्मक ढांचे का हिस्सा है। कई वरिष्ठ नेता, केंद्रीय नेतृत्व के सदस्य और प्रमुख पदाधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, जिससे यह पार्टी के संगठनात्मक कैलेंडर में एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम बन जाएगा।

केंद्र और चुनाव आयोग से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

मुख्य चुनाव आयुक्त को मिली 'आजीवन कानूनी सुरक्षा' पर सुप्रीमकोर्ट सख्त

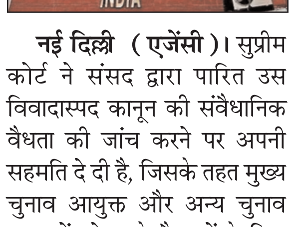

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संसद द्वारा पारित उस विवादास्पद कानून की संवैधानिक वैधता की जांच करने पर अपनी सहमति दे दी है, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को उनके फैसलों के लिए आजीवन कानूनी अभियोजन से छूट प्रदान की गई है। कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए सवाल उठाया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग को ऐसी विशेष छूट दी जा सकती है, जो संवैधानिक रूप से राष्ट्रपति या राज्यपाल को भी पूरी तरह प्राप्त नहीं है? इस अहम मुद्दे पर गैर-सरकारी संगठन 'लोक प्रहरी' की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में यह अहम सुनवाई सीजेआई (ष्टछ्व) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष हुई। पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस भेजकर अपना पक्ष रखने को कहा है। कोर्ट ने सभी पक्षों को जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। एनजीओ लोक प्रहरी ने अपनी याचिका में दलील दी है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों को उनके आधिकारिक पद पर रहते हुए मिली यह कानूनी सुरक्षा और छूट अनुचित है, जिससे संतुलन बिगड़ने का खतरा है। केंद्र की मोदी सरकार साल 2023 में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा शर्तों से जुड़ा एक कानून लेकर आई थी, जिसे संसद के दोनों सदनों से पारित कराया गया था। इस कानून के प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों द्वारा उनकी आधिकारिक ड्यूटी के दौरान किए गए कार्यों, जैसे चुनावी निर्णय या बयानों को लेकर कोई एफआईआर या मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता।

जिला स्तरीय शैक्षणिक समीक्षा बैठक में अर्द्ध-वार्षिक परीक्षा परिणामों पर की गई विस्तृत चर्चा

प्री-बोर्ड एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए ठोस रणनीति तैयार, उपचारात्मक शिक्षण पर जोर

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शैक्षणिक समीक्षा बैठक का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय,गरियाबंद किया गया। इस दौरान अर्द्ध-वार्षिक परीक्षा परिणाम पर विस्तार से चर्चा की गई स्कूल-वार,ग्रेड-वार एवं कैटेगरी-वार विद्यालयों के प्रदर्शन की समीक्षा भी की गई। जिन विद्यालयों में बेहतर परिणाम एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज देखने को मिलीं,उन्हें साझा किया गया तथा जिन विद्यालयों में सुधार एवं अतिरिक्त सपोर्ट की आवश्यकता है,उन पर विशेष मार्गदर्शन दिया गया।इसके अलावा आगामी प्री-बोर्ड परीक्षा एवं बोर्ड परीक्षा को लेकर ठोस रणनीति तैयार की गई। जिन विद्यार्थियों के किसी विषय में प्रदर्शन कमजोर है। उनके लिए उपचारात्मक शिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विषय-वार सिलेबस, प्रश्न पत्र ब्लूप्रिंट पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए। साथ ही विद्यालयों के परीक्षा परिणामों की समीक्षात्मक एवं विश्लेषणात्मक चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न प्राचार्यों द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, नवाचारों एवं चुनौतियों को साझा किया। जिससे आपसी सीख एवं समन्वय को बढ़ावा मिला। इस दौरान जिला मिशन समन्वयक शिवेश कुमार शुक्ला एडीएसओ श्याम कुमार चंद्राकर,एडीपीओ बुधविलास सिंह,एपीसी मनोज केला सहित गरियाबंद,मैनपुर,छुरा एवं फिंगेश्वर विकासखंडों के बीईओ ,बीआरसी, सीसी एवं सभी ब्लॉक के प्राचार्य उपस्थित रहे।

खबर-खास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को सवरा समाज ने किया आमंत्रित

बसना(समय दर्शन)। छ. ग. सवरा समाज के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 26 जनवरी 2026 से 5 फरवरी 2026 तक चलने वाले 10 दिवसीय मेला बसना विकास खण्ड के ग्राम सिंघनपुर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शबरी माता मेला माघ पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन भव्यता से मनाया जाना है।

इस हेतु सवरा समाज के प्रदेश अध्यक्ष पी एल सिदार एवं सवरा समाज के महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा के जशपुर जिला मंत्री सुनीति भोय के नेतृत्व में मा. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छ. ग. शासन को शबरी माता मेला में बतौर मुख्य अतिथि पधारने निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री गजानन भोई, प्रदेश सचिव चिंता मणि भोई, प्रदेश कोषाध्यक्ष युवराज रावल प्रदेश अध्यक्ष युवाप्रकोष्ट रमाकान्त भोई, प्रदेश उपकोषाध्यक्ष चुडामणि भोई, जशपुर. जिलाध्यक्ष सुनाधर विशाल पूर्व जिलाध्यक्ष टिकेश्वर भोय ब्लॉक अध्यक्ष. लालाराम भोय, जनपद सदस्य एवं सभापति लैलूंगा श्रीमती कल्पना भोई एवं सामाजिक गण उपस्थित थे।

जिले में अब तक 38 लाख 76 हजार क्विंटल से अधिक धान खरीदी

मुंगेली(समय दर्शन)। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले के 105 उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सुव्यवस्थित तरीके से पारदर्शिता के साथ जारी है। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले के 66 समितियों के 105 खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों की संख्या 01 लाख 10 हजार 900 से अधिक है। जिले में अब तक 38 लाख 76 हजार क्विंटल से अधिक धान खरीदा जा चुका है, इसमें मोटा 21 लाख 68 हजार 184 क्विंटल, पतला 134.80 क्विंटल और सरना 17 लाख 07 हजार 687 क्विंटल धान शामिल है। उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव लगातार जारी है। अब तक 26 लाख 18 हजार 672 क्विंटल से अधिक धान का उठाव किया जा चुका है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अवैध धान भंडारण एवं परिवहन को रोकने जिले की सीमाओं एवं चेक पोस्ट पर चौकसी को और मजबूत करते हुए 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसके तहत संदिग्ध वाहनों परिवहन गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी आंतरिक चेक पोस्ट पर भी टीमों को तैनात किया गया है। निगरानी दल द्वारा रात्रिकालीन गश्त के साथ ही संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही है। कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध रूप से धान खपाने की घटनाओं पर रोक लगाने की शिकायत के लिए तथा धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया की निगरानी हेतु इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है, इससे खरीदी, भंडारण और परिवहन की रियल टाइम मानिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है और अनियमितता पाए जाने कार्रवाई भी की जा रही है।

ग्राम कुकुसदा में छापेमार कार्यवाही कर 7.5 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले में अवैध शराब पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर आबकारी विभाग की कार्यवाही लगातार जारी है। इसी तारतम्य में आबकारी विभाग पथरिया द्वारा ग्राम कुकुसदा में छापेमार कार्यवाही कर 7.5 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त किया गया। जिला आबकारी अधिकारी रविशंकर साय ने बताया कि आरोपी ईश्वर भट्ठ के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की गैर जमानती धारा 34(1)(क), 34(2) तथा 59(क) के तहत वैधानिक प्रकरण दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में अवैध शराब एवं अपराधिक गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा आगे भी ऐसी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई में आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से मिला सुरक्षित मातृत्व और आर्थिक संबल

बेमेतरा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली एक महत्वपूर्ण योजना सिद्ध हो रही है। यह योजना न केवल गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि उन्हें सुरक्षित मातृत्व, बेहतर पोषण और स्वस्थ शिशु के लिए आवश्यक संबल भी देती है। इसी योजना से लाभान्वित होकर बेरलाकला निवासी मुकेश्वरी साहू ने अपने मातृत्व सफर को सुरक्षित और तनाव मुक्त बनाया। मुकेश्वरी साहू एक साधारण मध्यमवर्गीय कृषक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनका पारिवारिक व्यवसाय कृषि है और वे स्वयं एक गृहिणी हैं। घर से बाहर किसी आय के साधन से न जुड़ी होने के कारण उन्हें अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस आर्थिक निर्भरता का प्रभाव उनके स्वास्थ्य और खानपान पर भी पड़ा।

विधायक चैतराम अटामी ने ग्राम चंदेनार में 7 लाख की लागत से सामुदायिक भवन के निर्माण का किया भूमिपूजन

दंतेवाडा किरंदुल (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा विकास और जनकल्याण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, दंतेवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक चैतराम अटामी के कर-कमलों द्वारा विधायक निधि से 7.00 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन ग्राम चंदेनार (गांवदई पारा) में विधिवत रूप से संपन्न हुआ। यह सामुदायिक भवन ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु एक मजबूत और सुविधाजनक मंच साबित होगा। इससे ग्रामवासियों को कई आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे गांव में सामुदायिक गतिविधियां और बढ़ेंगी।

विधायक चैतराम अटामी द्वारा क्षेत्र के समग्र विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह सामुदायिक भवन निर्माण कार्य उनकी ग्रामीण विकास एवं जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रतीक है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत चंदेनार के सरपंच, उपसरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और इस पहल का स्वागत किया। यह प्रयास क्षेत्र में और अधिक विकास कार्यों की नींव मजबूत करने वाला साबित होगा।

कार में गांजा परिवहन करते 25 किलो 935 ग्राम गांजा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

अवैध गांजा परिवहन पर थाना सरिया की लगातार बड़ी कार्यवाही

सारँगढ़ बिलाईगढ़-(समय दर्शन)। जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षक महोदय आंजनेय वार्ष्णेय के द्वारा जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को जुआ, सट्टा, शराब, अवैध मादक पदार्थ गांजा में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पाण्डेय एवं अति.पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल नेतृत्व मे सरिया पुलिस को 25किलो 935 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 02 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 12/01/2026को दौरान पेट्रोलिंग जरिये मुखबीर सुचना मिला कि एक मारुति स्विफ्ट डिजायर कार का चालक उड़ीसा से गांजा लेकर सरिया तरफजा रहा है सूचना पर सरिया थाना के सामने मेन रोड में घेराबंदी कर कार को पकड़ा गया। कार चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम *शीतल प्रकाश पिता संतोष कुमार पाठक सा मेडकी थाना मऊरानीपुर जिला झांसी (उत्तरप्रदेश) तथा ड्राइवर के बगल शीट में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम *कल्लू केंवट पिता ध्रुवराम केवट मोहल्ला आजादपुरा थाना कोतवाली जिला कटनी (मध्यप्रदेश) का होना बताया। गवाहों के समक्ष स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी लेने पर कार में सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी में भरा 25 पैकेट में 25 किलो 935 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला।

आरोपियों से पूछताछ करने पर जिला सोनपुर उड़ीसा से गांजा लेकर कटनी ,झांसी तरफबिक्री हेतु ले जाना बताया किआरोपियों के कब्जे से 25 किलो 935 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, 01नग स्विफ्ट डिजायर कार , 01 नग लावा कंपनी के मोबाइल को जप्त कर आरोपियों के खिलाफथाना सरिया मे अपराध क्रमांक 10/2026 धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर दोनों आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

4 दिन में 01 करोड़ 13 लाख से अधिक अवैध धान परिवहन एवं बिक्री पर किया गया कार्यवाही

थाना देवभोग, अमलीपदर,इंदागांव एवं छुरा की कार्यवाही

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीगर राज्य से आने वाले धान के परिवहन की रोकथाम हेतु बार्डर के चेक पोस्ट में तैनात बल द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्यों पर धान खरीदी केवल पंजीकृत किसानों को निर्धारित धान खरीदी केंद्रों में किये जाने हेतु प्रावधान है। चेक पोस्ट के माध्यम से तैनात पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है ।13 जनवरी को मुखबीर से थाना देवभोग को सूचना मिला की 3 बोलेरो पीकअप वाहनों में उडीसा की ओर से थाना देवभोग क्षेत्र में अवैध धान भर बिक्री करने के लिए परिवहन कर रहा है। सूचना तस्दीक पर पुलिस टीम अलग-अलग घटना स्थल रवाना हो कर घटना स्थल से अवैध धान भरा हुआ बोलेरो पीकअप वाहन क्रमांक ओ.डी.08-एम-3263 में 60 कट्टा एवं बोलेरो पीकअप वाहन क्रमांक सीजी.13-डी-1250 में 60 कट्टा (48 क्विंटल)अवैध धान परिवहन करते जप्त। इसी क्रम मे थाना अमलीपदर को मुखबीर से सूचना मिला की उडिसा की ओर से एक बोलेरो पीकअप वाहन में अवैध रूप से धान परिवहन कर बिक्री करने के लिए जा रहा है। जिसकी सूचना दतस्दीक हेतु घटना स्थल पर पुलिस टीम रवाना कर घटना स्थल से बोलेरो पीकअप वाहन क्रमांक सीजी 04-जे-8371 में 50 कट्टा धान प्रत्येक में 45 की भरती कुल (23.5 क्विंटल) बिक्री हेतु परिवहन करते पाया गया ।इस प्रकार कुल 3 प्रकरणों में कुल 170 कट्टा (71.5 क्विंटल) धान के साथ 3 चार पहिया वाहन को समक्ष गवाहन के जप्त कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया।

इसी प्रकार विगत दो माह 4 दिवस से लगातार विशेष अभियान चलाकर थाना देवभोग,थाना अमलीदर,इंदागांव एवं छुरा के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं बिक्री करते अलग-अलग कुल 83 प्रकरणों में 8528 कट्टा (3625.75) क्विंटल अवैध परिवहन एवं बिक्री करते हुए पकड़ा गया। धान के परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात मांगने पर किसी भी प्रकार का कागजात पेश नही करने पर अवैध धान परिवहन के संबंध में कार्यवाही कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया। अवैध धान बिक्री एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।

कलेक्टर ने ली राइस मिलर्स की बैठक, कस्टम मिलिंग व धान उठाव में तेजी के सख्त निर्देश

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आज कलेक्ट्रेट स्थित दिशा सभाकक्ष में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान के उठाव एवं कस्टम मिलिंग की समीक्षा हेतु राइस मिलर्स की बैठक ली। बैठक में डिप्टी कलेक्टर सुश्री पिंकी मनहर, धान उपार्जन से संबंधित जिला अधिकारी, खाद्य विभाग के अधिकारी एवं राइस मिलर्स उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने धान उठाव एवं कस्टम मिलिंग की धीमी प्रगति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सभी राइस मिलर्स को कार्य में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धान परिवहन एवं मिलिंग कार्य पूरी तरह नियमानुसार, पारदर्शी और व्यवस्थित होना चाहिए तथा किसी भी स्थिति में ओवरलोडिंग नहीं की जाए। गाड़ियों की लोडिंग एवं अनलोडिंग समय पर हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि राइस मिलर्स द्वारा ड्राइवरों को पहले से ब्रीफकिया जाए, ताकि वाहन समय पर ट्रिप पूरी करें।

अंतर्विद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरूकुल अपराजेय

कवर्धा (समय दर्शन)। गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा सदैव ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयत्नशील रहा है। कैसी भी प्रतियोगिता हो हर प्रतियोगिता में गुरुकुल के बच्चों ने अंश ग्रहण कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। क्षीरपानी कॉलोनी मैदान कवर्धा में कबीरधाम शहर प्राईवेट स्कूल संघ के तत्वावधान में इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 10 से 11 जनवरी तक किया गया। जिसमें नगर के दिल्ली पब्लिक स्कूल, श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल, गुरुकुल पब्लिक स्कूल, अभ्युदय स्कूल, अशोका पब्लिक स्कूल, संस्कार पब्लिक स्कूल, आदर्श विद्या मंदिर एवं रामकृष्ण पब्लिक स्कूल रवेली कुल आठ टीम सम्मिलित हुए। इसमें गुरुकुल ने अपनी अपराजेय छवि को बरकरार रखा है। बताना लाजिमी होगा कि इस प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों ने अंश ग्रहण किया। इसमें गुरुकुल ने सेमी फाइनल में अशोका पब्लिक स्कूल को 04 रनों से पराजित कर फाइनल में अपनी जगह बनाई और फाइनल मैच में श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल, कवर्धा ने 08 ओवर में 85 रन बनाया जबकि गुरूकुल पब्लिक स्कूल ने मात्र 4.3 ओवर में ही 02 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर विजेता का खिताब हासिल किया। खेले गए चार मैचों में से तीसरे और चौथे मैच के मैन ऑफद मैच पुरस्कार क्रमशः गुरूकुल के प्रथम नील त्रिपाठी, विवेक नेताम को प्रदान किया गया। गुरुकुल की इस अपराजेयता पर शाला के प्राचार्य ,संचालन समिति के अध्यक्ष तथा अन्य निदेशक गण ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई संदेश प्रेषित किया।

जलापूर्ति में लापरवाही की हद पार, पेयजल में कीट-पतंग मिलने पर विशु अजमानी ने उठाए सवाल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर की जलापूर्ति व्यवस्था एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है, और अब यह मुद्दा स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। पीने के पानी में कीट-पतंग मिलने की घटनाओं के बाद प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के सचिव, विशु अजमानी ने निगम प्रशासन और ठेकेदार कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस लापरवाही को आम जनता की सेहत से खिलवाड़ करार देते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विशु अजमानी ने कहा, यह लापरवाही का नतीजा है जिसकी कीमत अब जनता अपनी सेहत से चुका रही है। पहले रेत की सप्लाई को लेकर सवाल खड़े हुए थे और अब पानी में कीट-पतंग मिलना अत्यंत चिंताजनक है। हमने पहले ही चेतावनी दी थी कि जिस कंपनी को भगोड़ा करार देकर बाहर किया गया था, उसे पुनः काम सौंपना एक बड़ी भूल साबित होगी।

अजमानी ने आरोप लगाया कि पहले भी जिस कंपनी पर लापरवाही और अनियमितताओं के आरोप थे, उसे किसके संरक्षण में फिर से काम दिया गया, यह बड़ा सवाल है। अब उसी कंपनी की नाकामी के कारण जनता गंदा और असुरक्षित पानी पीने के लिए मजबूर है। उन्होंने यह भी कहा कि निगम प्रशासन अपनी नाकामी छिपाने के लिए दोषारोपण का सहारा ले रहा है, जबकि असल जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

अजमानी ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो जलजनित बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है। उन्होंने निगम प्रशासन से मांग की कि दोषी कंपनी के खिलाफतत्काल कार्रवाई की जाए और शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ठोस व्यवस्था की जाए। साथ ही, कांग्रेस ने इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की भी मांग की है।

कांग्रेस की मांग है कि दोषी कंपनी का ठेका तत्काल रद्द किया जाए और जलापूर्ति तंत्र की पूरी जांच कराई जाए। इसके साथ ही, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर जनता को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

धान खरीदी को लेकर एसडीएम, तहसीलदार व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा को लेकर एसडीएम, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में धान उपार्जन की प्रगति, टोकन सत्यापन, स्टेकिंग एवं भौतिक सत्यापन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी शासन की प्राथमिक है, इसलिए इस कार्य में पूर्ण सतर्कता एवं पारदर्शिता आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में वास्तविक किसानों को किसी प्रकार की समस्या ना हो। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में भौतिक सत्यापन कार्य पूरी सावधानी के साथ करने कहा। कलेक्टर ने स्टेकिंग कार्य को निर्धारित मापदंडों के अनुसार कराने पर भी विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने रकबा समर्पण की जानकारी ली तथा सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने बैठक में राइस मिलों द्वारा धान उठाव, भंडारण, कस्टम मिलिंग एवं चावल जमा की स्थिति की प्रगति की जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर संदीप सिंह ठाकुर, खाद्य अधिकारी कौशल साहू, सर्व एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

निगम की सख्ती रंग लाई, सीलिंग के दबाव में बकायादारों ने चुकाया पूरा टैक्स

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश और राजस्व अधिकारी आर.के.बोरकर के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग अमला द्वारा बकाया कर वसूली को लेकर की जा रही सख्त कार्रवाई का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। निगम प्रशासन द्वारा दुकानों एवं प्रतिष्ठानों को सील करने की चेतावनी मिलते ही करदाताओं ने अपने-अपने बकाया एवं चालू वर्ष का टैक्स तत्काल जमा करना शुरू कर दिया है।

वार्ड क्रमांक 11 में पंकज, दिव्या, ऋतु एवं अंकिता (महेन्द्र मल्होत्रा) के नाम से संपत्ति कर एवं अन्य करों की मांग लंबित थी। सीलिंग की कार्रवाई की सूचना मिलने पर संबंधित करदाताओं ने कार्रवाई से बचने हेतु समस्त बकाया एवं चालू वर्ष का टैक्स कुल 85,771 रुपये नकद नगर निगम में जमा किया।

इसी तरह वार्ड क्रमांक 28 में भी निगम की सख्ती देखने को मिली।

प्राकृतिक खेती से कृषक श्रीमती मनभौतिन बाई निषाद एवं माखन निषाद को मिला भरपूर लाभ

जैविक खेती की ओर बढ़ा रहा है किसानों का रुझान

रायपुर। प्रदेश के किसानों का रुझान अब तेजी से जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत किसानों को रसायन मुक्त खेती के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे न केवल खेती की लागत कम हो रही है, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

वर्तमान में कृषक दंपत्ति वर्ष 2025-26 रबी सीजन में सब्जियों के साथ-साथ तिवड़ा, मसूर एवं सरसों की खेती भी प्राकृतिक पद्धति से कर रहे हैं।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत वर्ष 2025 में राजनांदगांव विकासखंड के अंतर्गत 150 हेक्टेयर क्षेत्र में क्लस्टर तैयार कर किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

मिशन के अंतर्गत ग्राम मोखला के प्रगति महिला स्वसहायता समूह के कृषकों को जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, दशपर्णी अर्क सहित अन्य प्राकृतिक उत्पाद तैयार करने तथा फसलों की अवस्था के अनुसार उनके उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम मोखला निवासी 68 वर्षीय कृषक श्रीमती मनभौतिन बाई निषाद एवं उनके 72 वर्षीय पति श्री माखन निषाद ने प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिवनाथ नदी तट पर निवास करने वाले इस कृषक दंपत्ति के पास स्वयं की 1.17 एकड़ तथा 1.17 एकड़ लीज भूमि सहित कुल 2.34 एकड़ कृषि भूमि है, जिस पर वे पूर्व में धान एवं उद्यानिकी फसलों की खेती कर रहे थे। रासायनिक खेती के माध्यम से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 50 से 60 हजार रुपये की आय होती थी।

श्रीमती मनभौतिन बाई निषाद ने बताया कि उद्यानिकी फसलों में लगातार रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के उपयोग से न केवल लागत बढ़ रही थी, बल्कि उत्पादों के सेवन से लोगों के बीमार होने की घटनाएं भी सामने आ रही थीं। इससे प्रेरित होकर उन्होंने रसायन मुक्त खेती अपनाने का निर्णय लिया और प्राकृतिक कृषि पद्धति से खेती की शुरुआत की। प्रारंभ में जानकारी के अभाव, उत्पादन कम होने और कीट-बीमारियों के डर जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उनकी रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों पर निर्भरता समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि रासायनिक खेती में प्रति एकड़ 20 से 22 हजार रुपये तक का खर्च आता था, जबकि प्राकृतिक खेती में जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र आदि तैयार करने में केवल बेसन, गुड़, मट्ठा जैसी घरेलू सामग्री की आवश्यकता होती है। देशी गाय का गोबर एवं गौमूत्र, मिट्टी और विभिन्न प्रकार के पत्ते गांव में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, जिससे लागत अत्यंत कम हो गई है। प्राकृतिक खेती के परिणामस्वरूप खेतों में लाभदायक केचुओं एवं सूक्ष्म जीवों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ी है। प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से फसलों की गुणवत्ता बेहतर हुई है और जहर मुक्त उत्पादों को बाजार में अच्छी कीमत मिल रही है। व्यापारियों द्वारा सीधे खेत से उत्पाद खरीदे जाने लगे हैं, जिससे कृषक दंपत्ति की आय में वृद्धि हुई है और वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। श्रीमती मनभौतिन बाई निषाद आज जिले के किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं और उन्हें विभिन्न जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सम्मानित भी किया गया है।

सड़कें बनेंगी विकास का आधार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री और भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज सूरजपुर जिले में 15.50 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे तीन महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों के कार्यप्रारंभ पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इन कार्यों के शुभारंभ से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुदृढ़ होगी और विकास को नई गति मिलेगी।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े अपने गृह ग्राम बीरपुर से कसलगिरी सड़क निर्माण कार्य के कार्यप्रारंभ पूजन में ग्राम कसलगिरी, पंचायत भवन के पास सम्मिलित हुईं। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम केंवटाली से सुन्दरपुर सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर ग्राम केंवटाली चौक में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं ग्राम गंगौटी से शिवपुर सड़क निर्माण कार्य के कार्यप्रारंभ पूजन कार्यक्रम में ग्राम शिवपुर, यादव पारा में भी मंत्री श्रीमती राजवाड़े सम्मिलित हुईं।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सुदृढ़ सड़कें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। इन मार्गों के निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी, किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को लाभ होगा तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब और वंचित वर्ग के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। अधोसंरचना विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सरकारी धान खरीदी से बदली किसान की किस्मत : सोरम के उमाकांत साहू ने धान बेचकर मजबूत की आर्थिक स्थिति

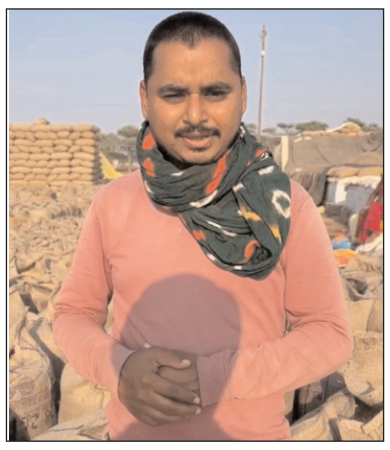

रायपुर। राज्य सरकार की सुव्यवस्थित और पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए आर्थिक संबल बन रही है। धमतरी जिले के ग्राम सोरम निवासी किसान उमाकांत साहू इसकी जीवंत मिसाल हैं। इस खरीदी सत्र में उन्होंने सोरम सहकारी समिति के माध्यम से अपनी सवा दो एकड़ भूमि में उपजाए गए 46 क्विंटल 40 किलो धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया।

किसान उमाकांत साहू ने बताया कि धान खरीदी केंद्र में पंजीयन, तौल और भुगतान की प्रक्रिया पूरी तरह सुचारु एवं पारदर्शी रही। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई व्यवस्थाओं के कारण उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि पहले की अपेक्षा अब धान बिक्री की प्रक्रिया कहीं अधिक सरल, तेज और भरोसेमंद हो गई है।

धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपनी खेती को और उन्नत बनाने में करेंगे। इसमें उन्नत बीजों की खरीद, खाद-उर्वरकों की व्यवस्था, आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग तथा पुराने कृषि ऋणों की अदायगी शामिल है। उमाकांत साहू के अनुसार समय पर उचित मूल्य मिलने से किसान आत्मनिर्भर बनता है और भविष्य की खेती की बेहतर योजना बना पाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों का वास्तविक लाभ अब सीधे किसानों तक पहुँच रहा है। धान खरीदी केंद्रों में पारदर्शिता, समयबद्ध भुगतान और कर्मचारियों के सहयोगात्मक व्यवहार से किसानों का विश्वास मजबूत हुआ है। इससे किसान नई तकनीकों को अपनाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

किसान उमाकांत साहू ने बेहतर धान खरीदी व्यवस्था के लिए राज्य सरकार तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में उठाए गए ये कदम न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि छोटे और मध्यम किसानों को भी आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ने का अवसर दे रहे हैं। सफलता की यह कहानी दर्शाती है कि सही नीतियाँ और प्रभावी क्रियान्वयन किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और उन्हें विकास का सशक्त भागीदार बना सकते है।

किसान-हितैषी व्यवस्था का लाभ उठाया किसान देवकुमार ने : सक्ती धान उपार्जन केंद्र में देव कुमार ने 64.40 क्विंटल धान का किया विक्रय

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर 2025 से राज्य के सभी जिले में सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में सक्ती जिले के धान उपार्जन केंद्र सक्ती में ग्राम गड़गोड़ी निवासी किसान श्री देवकुमार ने 64.40 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय कर शासन की किसान-हितैषी व्यवस्था का लाभ उठाया।

किसान श्री देवकुमार के पास लगभग 7.5 एकड़ कृषि भूमि है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी केंद्र में सभी व्यवस्थाएं अत्यंत सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान अनुकूल हैं। केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन के माध्यम से धान की सटीक तौलाई की गई तथा हमालों की समुचित व्यवस्था होने के कारण धान उतारने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। पूरी खरीदी प्रक्रिया तेज़, सरल एवं सुचारु रही। श्री देवकुमार ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य से किसानों को अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है। साथ ही समय पर भुगतान की व्यवस्था किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है, जिससे उन्हें अपनी आगामी कृषि योजनाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में सहायता मिल रही है। उन्होंने सरकार के धान खरीदा व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। टोकन व्यवस्था के कारण खरीदी केंद्रों पर भीड़ नियंत्रण में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा किसानों को निर्धारित समय पर अपनी उपज विक्रय करने का अवसर मिल रहा है। किसान श्री देवकुमार ने किसानों के हित में लागू की गई इन सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं जनहितकारी व्यवस्थाओं के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसी योजनाएं किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त एवं मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में पुरानी रंजिश ने लिया हिंसक रूप, गैंगवार में युवक की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई इलाकों में बढ़ते अपराध के बीच एक बार फिर गैंगवार की घटना सामने आई है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुए आपसी संघर्ष में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुरानी रंजिश के चलते दो गुटों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान चाकूबाजी की गई, जिसमें आदित्य कुर्रे और अभय सारथी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान आदित्य कुर्रे ने दम तोड़ दिया, जबकि अभय सारथी की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है और आसपास के इलाकों में तलाश अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डेयरी संचालक पर 10,000 का जुर्माना, नगर निगम ने नोटिस के बाद दी चेतावनी

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त डेयरी में गन्दगी की जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही और नगर निगम जोन 5 के जोन आयुक्त खीरसागर नायक के निर्देशानुसार जोन 5 जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा के नेतृत्व में नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षक प्रेम मानिकपुरी दिलीप साहू की उपस्थिति में जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत भक्त माता कर्मा वार्ड 67 अंतर्गत भाठागांव क्षेत्र में आवासीय क्षेत्र में संचालित नीलकंड डेयरी का औचक निरीक्षण किया गया. औचक निरीक्षण के दौरान गन्दगी और प्रदूषण सहित डेयरी की भैंसों को सड़क पर छोड़े जाने से आए दिन सड़क दुर्घटनाओं के होने की जनशिकायत सही मिली. जोन स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा काऊकैचर वाहन और विशेष टीम की सहायता से भाठागांव सड़क मार्ग पर सम्बंधित डेयरी की 10 भैंसों की धरपकड़ कर उन्हें लाखेनगर कांजी हाउस भेज दिया. रायपुर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी और जोन 5 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने नीलकंड डेयरी भाठागांव के सम्बंधित संचालक पर तत्काल 10000 रूपये का ई जुर्माना किया और उन्हें आवासीय क्षेत्र से अपनी डेयरी स्वत: बन्द कर निगम क्षेत्र के बाहर शीघ्र शिफ्ट कर लेने नोटिस पुन: जारी करते हुए भविष्य के लिए कड़ी कार्यवाही नियमानुसार करने की चेतावनी दी. जुर्माना अदा करने के पश्चात नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग द्वारा सम्बंधित नीलकंठ डेयरी की भैंसों को भविष्य में सड़क मार्ग पर नहीं छोड़े जाने की कड़ी हिदायत देकर छोड़ा गया और प्राप्त जन शिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया. सड़क मार्ग पर दोबारा डेयरी की भैंसों को छोड़े जाने की स्थिति में रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 स्वास्थ्य विभाग अभियान चलाकर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करेगा।

जनजातीय विकास को सांसद संकुल विकास परियोजना से मिलेगी गति- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित सांसद संकुल विकास परियोजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय विकास को सांसद संकुल विकास परियोजना से गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि योजना के तहत लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने महत्वपूर्ण पहल की जा रही है, इससे जनजातीय क्षेत्रों से पलायन पर रोक लगेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने लगातार प्रयास किया जा रहा है। सांसद संकुल विकास परियोजना के तहत गांवों के क्लस्टर बना कर विकास का मॉडल विकसित किया जा रहा है, जिसका सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग द्वारा लोगों का कौशल विकास कर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना ही योजना का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को धान का कटोरा कहा जाता है। हमारे यहां धान की कई किस्में हैं जिनके निर्यात की बड़ी संभावना है। कृषि के साथ ही मत्स्य पालन, बकरी पालन, गौ पालन, शूकर पालन से ग्रामीणों

समक्ष नोटरी, पत्थालगाव
जिला जशपुर छ.ग.

//शपथ पत्र//

मैं, कमला डनसेना पति श्री रवि किरण डनसैना, उम्र लगभग - 47 वर्ष, जाति- कलार, पेशा- गृहणी, निवासी- शेखरपुर, तहसील- पत्थलगांव, जिला- जशपुर, छ.ग., शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि :-

1. मेरा नाम कमला डनसेना है। मेरे आधार कार्ड में भी मेरा नाम कमला डनसेना है। किन्तु मेरा घरेलु नाम बबिता बाई है। जिस कारण मेरे पूर्व के आधार कार्ड में भी मेरा नाम बबिता बाई दर्ज था। जिसे सुधार कराकर मेरे द्वारा अपने आधार कार्ड में भी अपना नाम बबिता बाई के स्थान पर कमला डनसेना करा लिया गया है।

2. बबिता बाई एवं कमला डनसेना दोनो एक ही व्यक्ति हैं जो कि मैं स्वयं हूँ।

3. मेरे नाम में हुई भिन्नता को स्पष्ट करने के लिये तथा उक्त तथ्य को पेपर में प्रकाशन करने के लिये मेरे द्वारा यह शपथ पत्र निष्पादित किया जा रहा है।

कमला डनसेना
शपथकर्ता

हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी आत्म निर्भर भारत संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत भाजयुमो की युवा सम्मेलन संपन्न

भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रवादी विचारधारा पर कार्य कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान प्रदान करें - राहुल योगराज टिकरिया

युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता भविष्य का नेता है - सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग (समय दर्शन)। हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना था इन्हीं कार्यक्रमों की कड़ी में भारतीय जनता युवा की युवा सम्मेलन का कार्यक्रम दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया एवं जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की मुख्य उपस्थिति में एवं युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष हिमांशु सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हो हुई आयोजित बैठक में मंचासीन अतिथि महापौर अलका बाघमार, जिला भाजपा महामंत्री विनोद अरोरा, जिला उपाध्यक्ष राजीव पांडेय, जिला मंत्री गायत्री वर्मा, गिरेश साहू ,शैलेंद्र शैंडे, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री आकाश सिंह ठाकुर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, प्रदेश कन्या शक्ति संयोजिका संस्कृति वर्मा, कुशल साहू शासकीय स्वाध्याय मंडल प्रदेश संयोजक, प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रशांत अग्रवाल , मुकेश बेलचंदन महामंत्री अनिकेत यादव उपस्थित रहे आयोजित बैठक में उपस्थित नेताओं के द्वारा स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर देश के आत्मनिर्भर भारत बनाने के मार्ग प्रशस्त करने का आह्वान किया गया 7

इस अवसर पर युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया ने कहा कि'आत्मनिर्भर भारत अभियान' से देश प्रत्येक क्षेत्र में विकास कर अपने पैरों पर खड़ा होगा। एक स्वावलंबी देश ही वैश्विक स्तर पर अपने सम्मान की रक्षा कर सकता है। भारत के आत्मसम्मान की भावना को साकार करने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की शुरुआत की । आज हमारा देश आत्मनिर्भर बनने के मार्ग पर अग्रसर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई ऐसे जनहित कार्य निर्णय लिए हैं जिसके दूरगामी परिणाम स्वरूप आज हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है आज उद्योग के क्षेत्र पर देखें रक्षा के क्षेत्र पर देखें कृषि के क्षेत्र पर देखें अंतरिक्ष क्षेत्र पर देखें तो हमारा देश आत्मनिर्भर बन चुका है कोई समय था हमारा देश आयातक देश की श्रेणी पर आता था पर आज हम निर्यातक देसो की श्रेणी में खड़े हैं रक्षा के क्षेत्र में भी हम निर्यातक बन चुके हैं कोई समय था कि हम देश युद्ध के लिए हथियारों की खरीदी के लिए दूसरे देश पर निर्भर रहते थे पर आज हम स्वयं हथियारों का निर्माण कर रहे हैं और दूसरे देशों को भेज भी रहे हैं 7स्वामी विवेकानंद जी ने देश की सभ्यता संस्कृति को विश्व के वैश्विक मंच में जिस प्रकार से रखा आज पूरा विश्व उसे मानता है युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की रीड की हड्डी है संगठित सुशासित और अनुशासित रहते हुए संगठन की कार्यप्रणाली संगठन आत्मक गतिविधियों में अपने सहभागिता सुनिश्चित कर देश हित में में अपना सहयोग प्रदान करें भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने इस अवसर पर कहा कि जब 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के पद के रूप में शपथ ली थी तब हमारा देश की आर्थिक व्यवस्था विश्व में 14वें स्थान पर थी उनके कुशल नेतृत्व में आज हमारा देश विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बनने की ओर अग्रसर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी विकसित भारत 2047 की कल्पना को साकार करना देखना चाहते हैं और यह तभी संभव हो पाएगा जब हम सभी स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी के मूल मंत्र को सार्थक साबित करेंगे आज पूरा विश्व भारत की बढ़ती हुई वैश्विक ताकत को देख रहा है एक दौर था जब हम छोटी सी छोटी चीजों के लिए विश्व के बड़े व्यापार मंच कोई और देखे थे पर आज हम खुद दूसरे देशों को कई क्षेत्रों में सामानों की बिक्री कर रहे हैं युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुमूल्य है आज देश युवाओं के कंधों पर खड़ा है और एक अनुशासित युवा देश का भविष्य का नेता है भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रवादी विचारधारा पर कार्य करते हुए हमें देश को विश्व गुरु पुन: बनाने में अपना सहयोग प्रदान करना है ।

संपादकीय

मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे

ट्रंप ने जिस तरह मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे पर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया! डॉनल्ड ट्रंप अपनी खामख्यालियों में रहते हैं। आत्म-प्रशंसा में बहते हुए वे अपनी खूबियों का बखान तो करते ही हैं, दूसरों का अपमान करने की हद तक भी अक्सर जाते रहते हैं। इस दौरान वे सच-झूठ की फिक्र नहीं करते। बतौर के अपने दूसरे कार्यकाल में अपमान के तीर उन्होंने जिन निशानों पर बार-बार छोड़े हैं, उनमें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं। दरअसल, भारत के मामले में बात सिर्फ जुबानी तीर की नहीं है। उन्होंने सबसे ज्यादा आयात शुल्क भारतीय वस्तुओं पर लगा कर अमेरिको को निर्यात से जुड़े देश के कारोबार को भारी क्षति पहुंचाई है। इसी तरह एच-1बी वीजा और स्टूटेंड वीजा के मामलों में उनके प्रशासन ने भारत के प्रति बेहद सख्त रुख अपनाए रखा है। हैरतअंगेज ही है कि अपनी प्रतिष्ठा को लेकर अति संवेदनशील रहने वाली मोदी सरकार ने ट्रंप के हमलों पर चुप्पी साधे रखी है। मगर अब पानी सिर के ऊपर से गुजर रहा है। अपने ताजा बयान में जिस तरह उन्होंने मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे को लेकर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। बिना तथ्यों की जांच किए उन्होंने 68 हेलीकॉप्टरों का जिक्र किया, जबकि भारत ने 28 हेलीकॉप्टर खरीदने का सौदा ही किया है और उनकी जल्द डिलीवरी कराने में ट्रंप का कोई योगदान नहीं है। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया! इस चुप्पी के पीछे अगर गणना यह है कि इससे ट्रंप खुश होंगे और भारत से अनुकूल व्यापार समझौता कर लेंगे, तो ऐसी कोई उम्मीद निकट भविष्य में पूरी होती नहीं दिखती। इसलिए अब चुप्पी तोड़ने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी की ट्रंप से कितनी गहरी व्यक्तिगत दोस्ती है, यह देशवासियों को नहीं मालूम। यह जानने में उनकी दिलचस्पी भी न्यूनतम है। मगर मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वे भारत की संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में विदेशी राजनेता द्वारा उनका हर अपमान भारत का अपमान बन जाता है। हर भारतवासी को इससे मतलब है। इसीलिए ये मांग प्रासंगिक है कि अब मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे।

आखिरकार 2025 में श्रम अधिशेष का लाभ उठाने में सक्षम हो सका भारत

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से 20वीं सदी के उत्तरार्ध तक, भारत सुरक्षित अर्थव्यवस्था के अनुरूप कड़े नियंत्रित श्रम ढाँचे के तहत काम करता रहा। यहाँ तक कि उदारीकरण के बाद भी यह ऐसा क्षेत्र था, जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इसका स्पष्ट परिणाम यह हुआ कि : श्रम-अधिशेष वाले देश में भी कंपनियाँ श्रम-प्रधान निवेश से बचती रहीं। श्रम के व्यापक उपयोग में बाधा बन रहे श्रम कानून के इस असंतुलन को आखिरकार 2025 में सुधारा गया। अंतत: श्रम सुधारों और वीबी-जी राम जी के लागू होने से भारत के लिए अब यह संभव हो गया है कि वह शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में अपने श्रम अधिशेष को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित कर सके। श्रम कानून, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और उद्यम नीति पहली बार एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। इसकी बदौलत भारत एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो औपचारिक रोजगार तथा उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाते हुए श्रमिकों को भी सुरक्षा प्रदान करती है।

अन्य श्रम-अधिशेष अर्थव्यवस्थाओं से सीख चलिए, उन देशों से शुरुआत करते हैं, जिन्होंने भारत जैसी ही चुनौती — श्रम के अधिशेष का सामना किया। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया ने श्रमिकों को बड़े पैमाने के विनिर्माण में समाहित करने के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूर्वानुमेय और अनुपालन को प्रबंधनीय बनाते हुए श्रम कानून बनाए।

भारत ने इसके उलट रास्ता अपनाया। उसने अनुमतियों और जुर्मानों की एक जटिल भूलभुलैया खड़ी कर दी, जिसने श्रम-प्रधान निवेश को हतोत्साहित किया और कंपनियों को अनौपचारिकता की ओर धकेल दिया। शहरी और ग्रामीण, दोनों श्रम बाज़ारों में रुख अब बदल गया है। भारत ने 29 श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करते हुए अपने समकक्ष देशों की तुलना में अनुपालन को कहीं अधिक सरल बना दिया है। उसने अपने श्रमिक संरक्षण के स्तर को समकक्ष देशों के बराबर रखा है, और भर्ती में लचीलेपन के मामले में वह उनसे आगे बढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में, मनरेगा से विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) की दिशा में बदलाव ने रोजगार को उत्पादकता से जोड़ दिया है। इसमें बुआई और कटाई के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों का विराम शामिल है, ताकि खेतिहर श्रमिकों की कमी न हो और कार्य को टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ा गया है। इसके परिणामस्वरूप एक ऐसी श्रम व्यवस्था बनी है, जो चीन, वियतनाम या इंडोनेशिया की तुलना में निवेश के लिए अधिक तैयार है, जिसमें कारखानों से लेकर खेतों तक पूरे श्रम तंत्र में अनुपालन में सुगमता, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और बिना सुरक्षा मानकों को कमजोर किए बड़े पैमाने पर भर्ती की क्षमता मौजूद है।

श्रम सुधार: बिखराव से कार्यकुशलता की ओर लगभग 100 श्रमिकों वाली एक छोटी विनिर्माण इकाई की कल्पना कीजिए। वर्षों तक, विकास के साथ चिंता भी जुड़ी रही। कुछ अतिरिक्त श्रमिकों को नियुक्त करने का मतलब था— श्रम कानूनों की जटिल भूलभुलैया से गुजरना, कई तरह के पंजीकरण कराना, मोटे-मोटे रजिस्टर बनाना, अलग-अलग प्राधिकरणों की निरीक्षण कार्रवाइयों का सामना करना, और इस बात का जोखिम उठाना कि कोई मामूली सी प्रक्रियागत चूक भी आपराधिक दायित्व को दावत दे सकती है। लिहाजा, कई व्यवसाय एक ही निष्कर्ष पर पहुँचे: विस्तार करने की बजाय छोटा, अनौपचारिक और कम श्रमिकों के साथ बने रहना ही अधिक सुरक्षित है ।

यह मानसिकता 2025 में बदलनी शुरू हुई। 29 केंद्रीय श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने से व्यवस्था नियामकीय अव्यवस्था से निकलकर स्पष्टता की ओर बढ़ी। एकल पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न के माध्यम से अनुपालन को सरल बनाया गया है; अब निरीक्षण दोष खोजने के बजाय सहयोग और सुविधा प्रदान करने लगे हैं; और सामान्य, रोज़मर्रा की त्रुटियाँ अब आपराधिक दंड को आमंत्रित नहीं करतीं।

खुशियों का संदेशवाहक पर्व है लोहड़ी

योगेश कुमार गोयल

उत्तर भारत में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है।

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्राय: शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड

से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं।

लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया।

गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा। लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकड़ियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकड़ियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकड़ियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं।

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रात: अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को 'ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

आखिर पचास साल क्यों लग गए अतिक्रमण हटाने में

सुनील दास

अवैध कब्जा तो अवैध कब्जा होता है। उसे हटाने में समय नहीं लगना चाहिए।यह आदर्श स्थिति है।सब जानते है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करना अपराध है लेकिन सबसे ज्यादा कब्जा सरकारी जमीन पर ही किया जाता है क्योंकि सरकार भी किसी पार्टी की होती है, पार्टी में बहुत सारे लोग होते हैं।वह और उनके समर्थक समझते हैं कि सरकार हमारी है तो सरकारी जमीन भी तो हमारी हुई। हमारी जमीन तो इस पर कब्जा सरकार के लोग ही करेंगे, राजनीतिक दलों को वोट देने वाले ही करेंगे। सरकारी जमीन पर जो कब्जा करते हैं वह किसी न किसी राजनीतिक दल का वोट बैंक होते हैं। किसी न किसी राजनीतिक दल के विरोधी होते हैं। इसलिए सरकारें बदलती हैं तो बरसों पुराने अवैध कब्जे हटाने की शुरूआत भी होती है। कई बार कोई बरसों तक किसी राज्य में सत्ता में बना रहता है तो वह अपने वोट बैंक को बनाए रखना है, वोट बैंक को बढ़ाता भी है,किसी भी सरकारी जमीन पर वह गरीब लोगों को झोपड़ी बनाने को कहता है,सरकार अपनी होती है तो उनको वहां से हटाया नहीं जाता है, क्योंकि वह सत्तारूढ़ दल का वोट बैंक होता है।उस नगर का नाम उस राजनीतिक दल के किसी नेता के नाम पर रख दिया जाता है यानी यह साफ हो जाता है कि यह जो सरकारी जमीन पर बस्ती बसी है यह किस राजनीतिक दल का वोट बैंक है। इसको दूसरा दल बरसों बाद किसी राज्य में सत्ता में आता हैं तो बरसों बाद उस राज्य में अवैध कब्ज हटाए जाते हैं।क्योंकि उसको मालूम होता है कि पिछले सत्तारूढ़ दल के वोट कहां कहां पर हैं,सरकारी जमीन पर एक कब्जा कर वोट बैंक बनाता है तो दूसरा सरकारी जमीन पर कब्जा के नाम पर वोट बैंक को हटाने का काम करता है। झोपडियों में रहने वाले एक बार सरकारी जमीन पर कब्जा करते हैं तो उनको लगता है कि हर जगह सरकारी जमीन कब्जा करने योग्य है। ऐसे लोग सड़क किनारे ही की छोटी छोटी दुकान ठेले आदि में लगाते हैं। इससे हर राज्य की सड़क में हजारों ऐसी छोटी छोटी दुकाने दिख जाती हैं जो सरकारी जमीन पर कब्जा कर चलती रहती है। ऐसे लोग हर राज्य में सरकारी जमीन पर रहते भी है और सरकारी जमीन पर ठेला या दुकान लगाकर कुछ न कुछ काम भी करते हैं।सरकारी तंत्र में भ्रष्ट लोगों के लिए यह आय का जरिया होते हैं, इसलिए सरकारी तंत्र के लोगों को मालूम होने के बाद यह लोग सरकारी जमीन पर रहते हैं और सरकारी जमीन पर ही छोटा मोटा व्यवसाय करते हैं, उनको हटाने का प्रयास नहीं करते हैं। यानी जहां भी अवैध कब्जे सरकारी जमीन पर होते है तो उसमे राजनीतिक दलों के साथ सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों का सहयोग भी होता है। हर शहर में सरकारी जमीन का उपयोग करने और उस पर अवैध कब्जा कराने व उस अवैध कब्जे को बरकरार रखने के लिए एक पूरा तंत्र होता है।यह तंत्र तब मजबूत होता है जब किसी राजनीतिक दल की सरकार किसी राज्य में दस से बीस साल तक रहती है। ऐसी सरकार को बनाने में अवैध कब्जाधारियों का बड़ा सहयोग होता है, इसलिए सरकार अवैध कब्जे हटाने को सोचती तक नहीं है।ऐसे राजनीतिक दल किसी राज्य में होते हैं तो तब ही उस राज्य में सरकारी जमीन पर पचास साल तक लोग कब्जा किए रहते हैं और उनको हटाने कोई सरकार सोचती तक नहीं है। खबर पढ़ने को मिलती हैकि पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके मे सरकारी जमीन पर से अवैध कब्जे पचास साल हटाए गए हैं।बहुत से लोगों को लगता है कि अवैध कब्जे हैं तो हटाने में पचास साल क्यों लग गए। किसी राज्य में अवैध कब्जे हटाने मे पचास साल लग जाए तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह कब्जे पहले नहीं हटाए जा सकते थे,बिलकुल हटाए जा सकते थे लेकिन सरकार ही जब अवैध कब्जों को बनाए रखना चाहती है तो राज्य से अवैध कब्जे से हटाए नहीं जा सकते। यही वजह है तुर्कमान गेट से अवैध कब्जे तब हटाए जा सके हैं जब अवैध कब्जों को हटाने की इच्छा रखने वाली सरकार सत्ता में आई है। बीस साल तक राज्य में आप की सत्ता रही, उसने अवैध कब्जों को बनाए रखा क्योंकि इसी में उसका राजनीतिक हित था। भाजपा सरकार कई दशक बाद सत्ता में आई है तो वह सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे हटा रही है।

मिथ्या चेतना का दर्शनशास्त्र

हरदीप एस पुरी

भारत में 2026 के आरंभ में सार्वजनिक बहस नववर्ष के अनुशासन के साथ शुरू होनी चाहिए। हमें पड़ताल और तीखी आलोचनाओं का भी स्वागत करना चाहिए। लेकिन इस बात पर भी जोर देना चाहिए कि बहस के साथ जवाबदेही शामिल हो। कुल 1.4 अरब की आबादी वाले गणराज्य को निराशावाद से नहीं सुधारा जा सकता। रोजगार, उत्पादकता, निर्यात और समावेशन सबसे अच्छे समय में भी आसान नहीं होते। प्रगति डिजाइन, क्रियान्वयन, सुधार और परिमापन के नीरस मेल से आती है। नया साल निराशावाद को संशयवाद से अलग करने का भी क्षण है। फ्रेडरिक नीत्शे ने 'बेयांड गुड एंड ईवल' में लिखा है: 'दार्शनिक को सिर्फ आलोचक या दर्शक होने के बजाय मूल्यों का सर्जक होना चाहिए। उसे तत्वचिंतन जीवन के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके नजरिए से करना चाहिए।' लोकनीति में इसी तरह के दृष्टिकोण की दरकार है। आलोचनाओं का स्वागत है। मगर ये साक्ष्य तथा एक जटिल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र का शासन चलाने की ज्वलंत बाधाओं से आबद्ध होनी चाहिए। जब संशयवाद एक भंगिमा बन जाए तो यह सुधार संभव बनाने वाली संस्थाओं में विश्वास को खत्म करता है। पिछले वर्षों में टिप्पणी की एक नई विधा सामने आई है। यह संदेह को सुसंस्करण के तौर पर पेश करती है। यह सुधार के कार्य को मजाक में तब्दील कर देती है। यह हर अपूर्ण परिवर्तन को स्थाई नाकामी के सबूत के तौर पर लेती है। यह एक चिरपरिचित सांत्वना पेश करती है: भारत कदाचित अपने ही नीति निर्माताओं से अभिशप्त है। इस दृष्टिकोण के अपने नतीजे हैं। यह आंकड़ों और बाजारों में विश्वास को घटाता है। यह उद्यमियों और निवेशकों में नियतिवाद को प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह बाहरी ताकतों को वार्ताओं में भारत को दबाव में लाने के लिए तैयार कथानक भी प्रदान करता है। विशेषज्ञता को तथ्यों के प्रति जवाबदेह बने रहना चाहिए। मजबूत पेशेवर और शैक्षिक पृष्ठभूमि का दंभ भरने वाले कुछ टिप्पणीकारों का इस तरह की भंगिमा का सहारा लेना चिंता की बात है। इनमें से कुछ ऐसे टिप्पणीकारों को मैं जानता हूं जिनकी पहचान और विश्वसनीयता भारत पर आधारित है। लेकिन वे संभवत: ध्यानाकर्षण या अब सरकार का हिस्सा नहीं होने के बावजूद प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए देश के खिलाफ अनाप-शनाप बोल कर अपना कॅरियर बनाने की कोशिश में लगे हैं।

उनका यह आरोप कि भारत के आंकड़े विशिष्ट तौर पर अविश्वसनीय हैं, हमारी विकास की दिशा के साथ मेल नहीं खाते। माल और सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत टैक्स संग्रह में जो वृद्धि हुई और इसने अनुपालन की जिस संस्कृति को पैदा किया है वह एक दशक पहले नहीं थी। वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। यानी औसतन प्रति माह 1.8 लाख करोड़ रुपए जीएसटी का संग्रह किया गया। डिजिटल भुगतान ने वित्तीय प्रदर्शन का एक और निशान छोड़ा है। नवंबर 2025 में यूपीआई के जरिए 26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम के 20 अरब लेन-देन किए गए। ये वृहत और परखे जाने योग्य आंकड़े परिमापन, सत्यापन और तौरतरीकों में सुधार के लिए संभावना का विस्तार करते हैं।

कल्याण और समावेशन में परिमापित परिणाम इस नियतिवाद की और हवा निकाल देते हैं। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के अनुसार 2013-14 और 2022-23 के बीच लगभग 24 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए। अब बहुआयामी निर्धनता लगभग 30 प्रतिशत से घट कर तकरीबन 11 प्रतिशत रह गई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से डिलीवरी दुरुस्त हुई है। वर्ष 2025 में 45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हुआ। डीबीटी काल में धन के अपव्यय में कमी के जरिए 3.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की बचत हुई। वित्तीय समावेशन 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खातों के साथ अब सार्वजनिक अवसंरचना बन गया है।

वित्तीय अनुशासन में सुधार के प्रभाव अब दिखाई देने लगे हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2018 में 11.2 प्रतिशत से घट कर 2025 में 2.1 प्रतिशत रह गई है। यह सिर्फ खयाली पुलाव बनाने से नहीं हुआ। यह बैलेंस शीट्स की लगातार सफाई, सख्त निगरानी और एक ऐसे तंत्र को प्रतिबिंबित करता है जिसने सदाबहार ऋण और गुप्त हानियों की गुंजाइश को समय के साथ घटाया है। जब आलोचक कहते हैं कि शासन सुधार नहीं कर सकता तो यह आडंबरहीन कायाकल्प उनके लिए पहला जवाब है।

भारत बड़े पैमाने पर निर्माण नहीं कर सकता यह आरोप लगाने वाले मैन्युफैक्चरिंग परिवेश में हुए बदलावों को नज़रअंदाज़ करते हैं। उत्पादन-से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) कार्यक्रम के तहत, 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश हुआ है जिससे 18 लाख करोड़ रूपए से ज़्यादा का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई और 12 लाख से ज़्यादा लोगों को रोजगार मिला है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र इसका सबसे सटीक उदाहरण है: साल 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक्स का कुल उत्पादन 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया। इसमें अकेले मोबाइल फोन का उत्पादन 5.5 लाख करोड़ रुपये रहा और मोबाइल का निर्यात लगभग 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया। ये दुनिया के सबसे कठिन क्षेत्र के बाजार की परीक्षा है जिसमें भारत सफल रहा है।

व्यापार में आपकी पकड़ बेहतर प्रदर्शन और निरंतर टिके रहने से बनती है, न कि केवल निराशा जताने से। साल 2024-25 में सामान और सेवाओं का कुल निर्यात 825 अरब अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। टैरिफ और संरक्षणवादी प्रतिक्रियाओं की इस दुनिया में साझेदार आपकी क्षमता के आधार पर फैसला करते हैं। भारत की स्थिति तब और मजबूत होती है जब दुनिया उसे एक ऐसे बाजार के रूप में देखती है जो बड़े पैमाने पर उत्पादन करता है और खरीदता भी है और अब देश ज़रूरी क्षेत्रों में भरोसेमंद तरीके से अलग-अलग तरह की आपूर्ति कर सकता है। घरेलू सुधार और बाहरी दुनिया से जुड़ाव मिलकर भारत को मजबूत बनाते हैं और यही मजबूती हमें व्यापार के क्षेत्र में और मजबूत बनाती है। किसी भी देश की प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति केवल एक योजना या एक मंत्रालय से नहीं आती, बल्कि यह बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और प्रशासनिक सुधारों के मिले जुले प्रभाव का परिणाम होती है। भारत में यह सुधार औद्योगिक गलियारों, मालगाड़ियों की बेहतर कनेक्टिविटी, बंदरगाहों के बेहतर जुड़ाव और एक साथ काम करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं, जिससे समय की बचत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि सभी बाधाएं खत्म हो गई हैं बल्कि महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने अब व्यवस्था बनाने, प्रक्रियाओं को आसान बनाने और बड़े पैमाने पर परिणाम देने की अपनी क्षमता को साबित किया है। सही तरीके से काम करने से उत्पादकता हफ्तों में नहीं बढ़ती बल्कि इसमें कई वर्ष लग जाते हैं।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में कमियां गिनाना और यह मान लेना आसान है कि कुछ भी ठीक नहीं हो सकता। अब नीति का रुख बदल गया है। अब सरकार का ध्यान सीधे तौर पर मदद पहुँचाने और ऐसी संपदा बनाने पर है, जो उत्पादकता और सम्मान दोनों बढ़ाती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 12.5 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में नल से पानी का कनेक्शन पहुँचाया गया है। इससे न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, बल्कि परिवारों पर पानी भरने के बोझ कम हुआ है और समय की बर्बादी भी कम हुई है। विकास के लाभ सब तक पहुँचने की कहानी स्वास्थ्य, आवास और ऊर्जा के क्षेत्र में भी दिखाई देती है। आयुष्मान भारत ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 42 करोड़ से ज़्यादा कार्ड जारी किए हैं, जिससे परिवारों को गंभीर बीमारियों के भारी खर्च नहीं करने पर आर्थिक सुरक्षा प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लगभग 3 करोड़ घर बनकर तैयार हो चुके हैं, जिससे परिवारों को न केवल अपनी संपत्ति मिली है बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का एक ठोस आधार भी दिया है। इसी तरह, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से ज़्यादा एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे उन घरों तक स्वच्छ ईंधन पहुँचा है जो कभी धुएँ और कठिन परिश्रम के जाल में फंसे थे। ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह वह व्यावहारिक आधार है जिस पर लोगों की आकांक्षाएँ और उनकी कार्यक्षमता टिकी है। सबसे ज़्यादा निराशा अक्सर राज्यों की स्थिति को लेकर जताई जाती है जैसे कि एक अरब से ज़्यादा लोगों के देश को एक ही तरीके से चलाया जा सकता हो। भारत का संघीय ढांचा थोड़ा शोर-शराबे वाला ज़रूर है, लेकिन यह वक्त के साथ बदलना भी जानता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे कई राज्यों ने यह दिखा दिया है कि बेहतर कानून-व्यवस्था, परियोजनाओं की शीघ्र मंज़ूरी और अवसंरचना के निर्माण में निरंतर काम से निवेश और बेहतर नौकरियाँ मिल सकती हैं। केंद्र सरकार ने इस प्रतिस्पर्धी संघवाद को और मज़बूत किया है।

जूते-पहनकर घर के अंदर आने की न करें गलती

हो सकता है भारी नुकसान

फेंगशुई में ऊर्जा, जिसे ची कहा जात है, को व्यवस्थित रखने के लिए कई बातें बताई गई हैं। कई लोग घर में जूते-चप्पल पहन कर घुस जाते हैं। लेकिन फेंगशुई के अनुसार, ऐसा करना बहुत ही गलत माना गया है। इससे आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

क्या कहता है फेंगशुई

फेंगशुई में यह माना जा रहा है कि जब भी कोई व्यक्ति बाहर से आता है, तो वह अपने साथ कई तरह की नकारात्मक ऊर्जा ला सकता है। ऐसे में अगर आप घर के अंदर जूते-चप्पल पहन कर आ जाते हैं, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा भी आपके साथ घर के अंदर आ जाती है। जिससे आपको कई तरह की समस्याओं जैसे लड़ाई-झगड़े, धन हानि आदि का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि आप जूते-चप्पलों को घर के बाहर ही निकालकर आएं।

रखें इन बातों का भी ध्यान

फेंगशुई में माना गया है कि मुख्य द्वार से ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। इसलिए मेन गेट को हमेशा साफ-सुथरा रखें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि आपका मुख्य द्वार गंदा या जर्जर हालात में नहीं होना चाहिए नहीं को नेगेटिव एनर्जी बढ़ती है। मुख्य द्वार पर फालतू का सामान रखने से भी बचना चाहिए। इन बातों का ध्यान रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

ये चीजें भी बढ़ाती हैं नेगेटिविटी

घर में फालतू का सामान इकट्ठा करने से या फिर गंदा व अव्यवस्थित रखने से भी नेगेटिव एर्नजी का फ्लो बढ़ता है। जिससे धन से लेकर स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। फेंगशुई में माना गया है कि घर में टपकता हुआ पानी, टूटी घड़ी, बर्तन, आइना, खराब पड़े जूते-चप्पल या फिर इलेक्ट्रॉनिक सामान नहीं होना चाहिए है, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। ऐसे में इन चीजों को या तो तुरंत ठीक कर लेना चाहिए या फिर हटा देना चाहिए। ताकि नकारात्मक ऊर्जा से बचा जा सके।

सनातन धर्म में बेहद पुण्य कार्य माना गया है दान

सनातन धर्म में दान को बेहद पुण्य कार्य माना गया है। लोग अपने सामर्थ्य के अनुसार मंदिरों में जाकर जरूरतमंद और गरीबों में दान करते हैं। कोई वस्त्र दान करता है, तो कोई अन्न का। इसके अलावा कुछ लोग गुप्तदान करते हैं। गुप्तदान को भी महादान कहा जाता है। वास्तु के मुताबिक कुछ ऐसी चीजें हैं जिनका मंदिर में चुपचाप दान करने से सुख और समृद्धि बढ़ती है। साथ ही आर्थिक संकट से भी छुटकारा मिलता है। चलिए ऐसी ही 3 चीजों के बारे में जानते हैं।

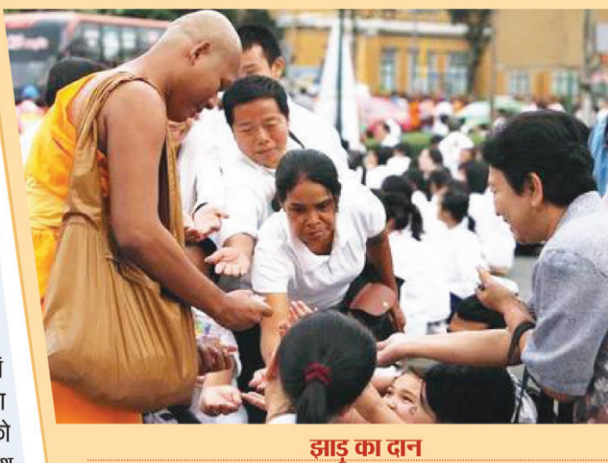

झाड़ू का दान

मंदिर में जाकर झाड़ू का गुप्त दान करना भी लोगों के लिए सुख शांति सौभाग्य लेकर आता है। ऐसा कहा जाता है कि मंदिर में साफ सफाई में प्रयोग होने वाले झाड़ू रोजाना सुबह शाम इस्तेमाल होता है। जिस कारण ईश्वर की कृपा उन पर बनी रहती है। इससे मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। झाड़ू का गुप्तदान हमेशा शुक्रवार के शाम को करें।

माचिस का दान

वास्तु के मुताबिक माचिस का खास महत्व होता है। यदि मंदिर में माचिस का दान चुपचाप किया जाए, तो इससे कई गुना फल प्राप्त होता है। मान्यतानुसार, खासकर हनुमान मंदिर में माचिस का दान करना अत्यंत शुभ होता है। ऐसा करने से बुरी नजर दूर होती है, और मंगल ग्रह मजबूत होता है। यह दान विशेषकर उन लोगों को करना शुभ है जो जीवन में नए मार्ग की तलाश कर रहे हों या किसी कठिन परिस्थिति से निकलना चाहते हों। माचिस का दान आप मंगलवार या शनिवार के दिन कर सकते हैं। इससे मंगल ग्रह मजबूत होता है।

लोटा का दान

लोटा का गुप्तदान हमेशा शिवमंदिर में करना बेहद शुभ होता है। इससे भगवान शिव की कृपा मिलती है। इसलिए धातु का लोटा दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। वास्तु के मुताबिक इसका दान करने से जीवन में निर्मलता, समृद्धि और तरक्की की राह खोलता है। गुप्त रूप से लोटा दान करने से तनाव, पारिवारिक कलह और आर्थिक बाधाएं कम होती हैं। लोटे का दान करने से भगवान शिव जी की असीम कृपा मिलेगी। हर तरह की मनोकामना पूर्ण हो जाती है। साथ ही भगवान से सुख समृद्धि का वरदान मिलता है।

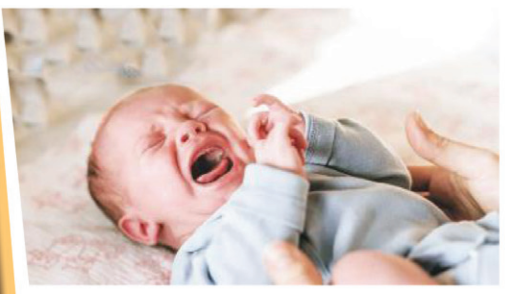

नवजात शिशु को ठंड लगने के लक्षण

नवजात बच्चों को ठंड के शुरुआती लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए, तो गंभीर समस्या से बचा जा सकता है। ऐसे में माता-पिता और देखभाल करने वालों को खास सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। आइए जानते हैं कि नवजात शिशु में ठंड लगने के कौन से लक्षण दिखते हैं और नवजात शिशु में ठंड लगने पर कई तरह के लक्षण दिखाई दे सकते हैं। शिशु के हाथ-पैर बहुत ठंडे हो जाना, त्वचा का पीला या नीला पड़ना और शरीर का तापमान सामान्य से कम होना इसके संकेत हो सकते हैं। शिशु का बहुत ज्यादा सुस्त रहना, दूध ठीक से न पीना, रोने में कमजोरी या सांस तेज चलना भी चिंता का कारण है।

नवजात बच्चों की ठंड में देखभाल कैसे करें?

ठंड के मौसम में नवजात शिशु की सही देखभाल बेहद जरूरी होती है। शिशु को गर्म कपड़ों में रखें, लेकिन बहुत ज्यादा कपड़े भी न पहनाएं। कमरे का तापमान संतुलित रखें और ठंडी हवा से बचाएं। मां का दूध शिशु के लिए सबसे बेहतर होता है, इसलिए नियमित रूप से ब्रेस्ट फीडिंग कराएं। नहलाने के बाद बच्चे को तुरंत सुखाकर गर्म कपड़े पहनाएं। रात में हल्के लेकिन गर्म कंबल का इस्तेमाल करें। शिशु को धूप में थोड़ी देर बैठाना भी फायदेमंद हो सकता है, लेकिन तेज ठंड या हवा से बचाव जरूरी है।

ये भी जरूरी

शिशु को ठंडी हवा और पंखे से दूर रखें। हाथ-पैर बार-बार चेक करते रहें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर ले जाने से बचें। किसी भी लक्षण पर खुद इलाज न करें। डॉक्टर की सलाह को जरूरी समझें।

ठंड के मौसम में बनाएं स्वाद से भरपूर मजेदार डिशेज

सर्दियों में आपने तिल के लड्डू को जरूर खाया होगा। आप लड्डू के अलावा भी तिल से कई तरह की रेसिपी को बना सकते हैं। तिल से बनी डिशेज का स्वाद लाजवाब होता है। अगर आप भी तिल से अलग-अलग तरह की रेसिपी बनाना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके काम की है। आइए जानते हैं कुछ रेसिपी आइडियाज।

तिल की बर्फी

आप तिल से बर्फी बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कड़ाही में तिल को भूनें। इसे थोड़ा ठंडा करके मिक्सी जार में डालकर पीस लें।

अब आप कड़ाही में घी डाल दें और इसमें गुड़ को डाल दें। कड़ाही में गुड़ को धीमी आंच पर पिघलने दें। इसमें जब उबाल आने लगे तब आप इसमें पिसी हुई तिल को डाल दें और अच्छे से मिला लें। घी लगी थाली में मिश्रण को फैलाकर बराबर कर लें और थोड़ा ठंडा होने पर बर्फी के शेप में काट लें।

तिल की चटनी

अगर आपको भी चटनी खाना पसंद है तो आप तिल की चटनी को जरूर ट्राई करें। इसे आप झटपट और कम चीजों से बना सकते हैं। तिल को सबसे पहले आप भूनें। अब आप इसे मिक्सी में डाल दें। साथ में आप हरी मिर्च, लहसुन की कलियां, नमक और पानी डालकर अच्छे से पीस लें।

तिल-नारियल लड्डू - आप तिल-नारियल लड्डू को बना सकते हैं। इसके लिए आप कड़ाही को गर्म करें और तिल को डालकर भूनें। अब आप कड़ाही में एक चम्मच घी को डाल दें। कद्दूकस किया हुआ नारियल को भी भून लें। इसे आप प्लेट में निकाल लें। घी को कड़ाही में गर्म करें और इसमें गुड़ को डाल दें। गुड़ जब पिघल जाए तब आप इसमें तिल और नारियल को डालकर मिला लें। थोड़ा गाढ़ा होने दें। जब ये थोड़ा ठंडा हो जाए तब आप इससे लड्डू बना लें।

तिल-मूंगफली चिक्की - आप तिल-मूंगफली चिक्की को बना सकते हैं। ये मीठा और कुरकुरा स्नैक्स बच्चों को बहुत पसंद आता है। इसे बनाने के लिए आप तिल को कड़ाही में भूनें। इसके बाद आप मूंगफली को भी भूनें। इसे ठंडा करके छिलका हटा दें और इसे दरदरा पीस लें। कड़ाही में घी डालें और गुड़ डाल दें। जब गुड़ पिघल जाए तब आप इसमें मूंगफली और तिल को डालकर मिला लें। एक प्लेट में घी लगा लें और मिश्रण को इसमें डाल दें। बेलन की मदद से आप इसे हल्का बेल लें। फिर इसे आप मनचाहे शेप में काट लें।

सर्दियों में वॉक करने का क्या है सही समय

वॉक करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इससे वजन घटाने के अलावा मसल्स की ग्रोथ अच्छी होती है, दिल मजबूत होता है, फेफड़ों की फंक्शनिंग बेहतर होती है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, लेकिन बेहतर रिजल्ट के लिए सबह टलहना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। लेकिन इस वक्त कराड़े की ठंड पड़ रही है। ठंड के मौसम में लोग बिस्तर से बाहर नहीं निकलना चाहते हैं। वहीं कुछ लोगों के मन में ये सवाल भी है कि सर्दियों में किस वक्त टहलना चाहिए? अगर आप भी इस सवाल का जवाब जानना चाहते हैं तो यहां हम आपको वॉक करने का सही समय बताने जा रहे हैं।

सर्दियों में कब करें वॉक

सर्दियों में वजन घटाने के लिए वॉक करना बहुत प्रभावी हो सकता है क्योंकि ठंडे मौसम में शरीर खुद को गर्म रखने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा खर्च करता है। हालांकि, सर्दियों में समय का चुनाव आपकी सेहत और सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में यहां जानते हैं वजन घटाने के लिए सर्दियों में वॉक का सही समय और तरीका क्या है।

कितनी देर तक टहलें

फिट रहने के लिए आपको कम से कम 45 मिनट वॉक जरूर करनी चाहिए। इसके अलावा रोजाना 10 हजार कदम चलने से भी आप खुद को फिट रख सकते हैं।

वॉक करने का सबसे अच्छा समय

सर्दियों में सुबह 8:30 से 10:30 बजे के बीच का समय वॉक के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। इस समय हल्की धूप निकल आती है, जिससे शरीर को विटामिन-D मिलता है और मेटाबॉलिज्म तेज होता है। सुबह खाली पेट वॉक करने से शरीर ऊर्जा के लिए स्टोर किए गए फैट का उपयोग करता है, जिससे वजन तेजी से घटता है। बहुत जल्दी सुबह (4-5 बजे) वॉक करने से बचना चाहिए, क्योंकि इस समय ठंड और प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक होता है, जो दिल और फेफड़ों पर दबाव डाल सकता है।

शाम की वॉक का समय

अगर आप सुबह नहीं जा पाते हैं, तो शाम को 4:00 से 5:30 बजे के बीच टहल सकते हैं। शाम की वॉक दिन भर के खाने को पचाने में मदद करती है और रात के समय कैलोरी स्टोर होने से रोकती है। यह दिन भर की थकान और मानसिक तनाव को कम करने में मदद करती है, जिससे नींद अच्छी आती है।

भौहें को घना बनाने के लिए क्या करें?

घनी आइब्रो चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने का काम करती हैं। इससे पर्सनैलिटी में भी निखार आता है और इंसान के अंदर अच्छा दिखने का कॉन्फिडेंस भी पैदा होता है। हालांकि, सभी की भौहें अलग-अलग होती हैं। किसी की भौहें मोटी होती हैं या किसी की भौहें छोटी होती हैं, जिसे तुरंत पार्लर में जाकर सेट करवाया जाता है। लेकिन, हल्की आइब्रो पर थोड़ा काम करना पड़ता है। इसलिए लोग आइब्रो को घना करने के लिए बाहर के प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, कुछ खास फर्क नहीं पड़ता और कई बार ये प्रोडक्ट्स नुकसानदायक भी साबित हो सकते हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी का कहना है कि अगर कुछ चीजों का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो घर पर ही आइब्रो को घना किया जा सकता है। आइए इस लेख में जानते हैं कि आप आइब्रो को कैसे घना कर सकते हैं।भौहें को घना बनाने के लिए क्या करें?

भौहें पतली क्यों हो जाती हैं?

भौहें पतले होने की कई वजह हो सकती हैं, लेकिन एक्सपर्ट का कहना है कि वक्त के साथ ऐसा होना लाजमी है। आइब्रो के कम होने की वजह उम्र बढ़ना, हार्मोनल बदलाव, पोषक तत्वों की कमी या स्किन रोग होना शामिल हो सकता है।

क्या है आइब्रो को घना बनाने का घरेलू नुस्खा?

आइब्रो को घना बनाने के लिए जरूरी है कि आप तेल का इस्तेमाल करें। बेहतर होगा कि शुद्ध नारियल का तेल खाएं, क्योंकि ये बालों की ग्रोथ के लिए सबसे बेहतरीन नुस्खा है। यह तेल ना सिर्फ भौहों को घना बनाने का काम करता है, बल्कि उन्हें मजबूत बनाने के लिए भी मददगार है।

भौहें पर नारियल का तेल लगाने के फायदे

नारियल का तेल विटामिन ई से भरपूर होता है और ये विटामिन बालों के लिए फायदेमंद माना जाता है। फैटी एसिड भी आइब्रो की ग्रोथ के लिए फायदेमंद है। यह बालों को ग्रोथ को बढ़ावा देने का काम करता है। नारियल का तेल बालों के रोमछिद्रों को पोषण देने का काम करता है, जिससे बालों को मजबूती मिलती है। नारियल तेल में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण भी मौजूद होते हैं, जो किसी भी तरह के इन्फेक्शन से बचाने का काम करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

सबसे पहले एक कटोरी में नारियल का तेल लगा लें। फिर एक रुई की मदद से तेल को भौहों पर लगाएं। अब हल्के हाथों से 2-3 मिनट तक मसाज करें। इससे तेल अंदर तक समा चला जाएगा। फिर इसे रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह उठकर गुनगुने पानी से धो लें। इसे लगभग कुछ हफ्तों तक करें। ज्यादा फायदा पाने के लिए आपको मेथी दाने का इस्तेमाल करना है।

छोटे से तिल में बड़ी ताकत

हड्डियां और मांसपेशियां बनेंगी सुपर स्ट्रॉन्ग

गड़बड़ भोजन और अनियमित दिनचर्या शरीर को धीरे-धीरे बीमार बना देती है। ऐसे में हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और मांसपेशियां ढीली पड़ जाती हैं। जोड़ों में दर्द, पीठ दर्द और थकान जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं, लेकिन प्रकृति ने इसका सरल समाधान दिया है तिल। तिल के छोटे-छोटे बीज कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे जरूरी मिनरल्स से भरपूर होते हैं।

रोजाना थोड़ा तिल खाना सेहत के लिए वरदान

ये तत्व हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और कमजोरी से बचाते हैं। रोजाना थोड़ा तिल खाना हड्डियों और जोड़ों की सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय तिल के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालता है। तिल को कैल्शियम से भरपूर हड्डियों का भरोसेमंद साथी बताता है। सर्दियों में तिल का सेवन न सिर्फ शरीर को गर्म रखता है, बल्कि हड्डियों को मजबूत बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। तिल के बीज कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये तत्व हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाता है, जबकि मैग्नीशियम और फॉस्फोरस उनकी संरचना को बेहतर करते हैं। बढ़ती उम्र में ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की कमजोरी) की समस्या आम है, खासकर महिलाओं में। तिल का नियमित सेवन इस जोखिम को कम करता है।

जोड़ों के दर्द को कम करने में मददगार

तिल जोड़ों के दर्द को कम करने में मददगार है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन और दर्द को नियंत्रित करते हैं। अर्थराइटिस या जोड़ों की जकड़न वाले लोगों के लिए तिल फायदेमंद साबित होता है। रोजाना 1-2 चम्मच तिल आयुष मंत्रालय के अनुसार, रोजाना 1-2 चम्मच तिल खाने से हड्डियां स्वस्थ और मजबूत रहती हैं। तिल को आहार में शामिल करना आसान है। इसे भूनकर खाया जा सकता है, सलाद में डाला जा सकता है या तिल के लड्डू बनाकर सेवन किया जा सकता है। सर्दियों में तिल-गुड़ के लड्डू तो पारंपरिक रूप से लोकप्रिय हैं। काले या सफेद तिल दोनों ही फायदेमंद हैं, हालांकि अधिक मात्रा में सेवन से बचें, क्योंकि तिल में कैलोरी भी ज्यादा होती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि संतुलित आहार, व्यायाम और तिल जैसे पोषक तत्वों का सेवन मिलकर हड्डियों को जीवनभर मजबूत रख सकता है।

फॉस्फोरस से भरपूर तिल के बीज कैल्शियम, मैग्नीशियम और

टर्म इंश्योरेंस : भारतीय परिवारों के लिए वित्तीय सुरक्षा की नींव

भारत जैसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था में, टर्म लाइफइंश्योरेंस परिवार की आर्थिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। अगर घर के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाती है, या फिर असमय उसकी मौत हो जाती है तो यह इंश्योरेंस उसके पीछे छूटे परिवार को वह वित्तीय मदद देता है जिसकी उन्हें सख्त जरूरत होती है।

टर्म इंश्योरेंस क्यों? : टर्म इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें बहुत कम प्रीमियम में उच?च लाइफकवर मिलता है और यह आपकी अनुपस्थिति में आपके प्रियजनों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक आदर्श साधन है। उदाहरण के लिए, अगर 30 साल का कोई स्वस्थ व्यक्ति जो धूम्रपान नहीं करता, वह हर महीने करीब 1,000 रुपये देकर 1 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर ले सकता है। भगवान न करे अगर उसे कुछ हो जाए, तो बीमा कंपनी से मिलने वाले इन पैसों से उसका परिवार घर के खर्च चला सकता है, पुराने कर्ज चुका सकता है और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठा सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो यह आपकी गैर-मौजूदगी में आपके परिवार के रहन-सहन को बिगड़ने नहीं देता।

सही कवरेज और अवधि कैसे निर्धारित करें? : सही टर्म इंश्योरेंस कवर चुनते समय वर्तमान खर्चों, दायित्वों और भविष्य की जिम्मेदारियों का मूल्यांकन जरूर करना चाहिए। एक सामान्य नियम यह है कि आपकी वार्षिक आय का 10-15 गुना कवर चुनें।

सॉल्व फॉर टुमौरो 2025: एआई के ज़रिये स्वास्थ्य, स्वच्छता और वेलबीइंग को नई दिशा दे रहे हैं युवा इनोवेटर्स

हेल्थकेयर में टेक्नोलॉजी अब केवल भविष्य की बात नहीं रह गई है—यह आज ही डायग्नोस्टिक्स (जांच), देखभाल और मरीजों के जीवन की गरिमा को नया रूप दे रही है। इसी बदलाव को दर्शाते हुए सैमसंग के फ्लैगशिप सीएसआर प्रोग्राम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमौरो (एसएफ्टी-SFT) 2025' ने, आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर, देशभर के हज़ारों छात्रों को एक चुनौती दी। विषय था— स्वास्थ्य, स्वच्छता और वेलबीइंग का भविष्य जिसके तहत उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित और इंसान को केंद्र में रखने वाले समाधान तैयार करने थे।

हेल्थ इनोवेशन की नई लहर- 1. असली चुनौतियों, ज़मीनी समाधान छात्रों को ऐसे हेल्थ-टेक समाधान बनाने के लिए आमंत्रित किया गया जो सुलभ और किफायती हों। इनका उद्देश्य स्वच्छता, साफ-सफाई, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और बीमारियोंकी रोकथाम जैसी चुनौतियों का हल निकालना था—ताकि बेहतर स्वास्थ्य केवल कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि सबका हक बने।

2. बेहतर कल के लिए व्यावहारिक तकनीक एल्केमिस्ट, बीआरएचएम, हीयर ब्राइट और पिंक ब्रिगेडियर्स जैसी टीमों ने ऐसे इनोवेशन पेश किए जो सीधे तौर पर मानवीय गरिमा और स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुंच पर केंद्रित हैं। इनमें मल्टी-जॉइंट बायोनिक हाथ, बीमारियों की शुरुआती पहचान करने वाले एआई टूल्स, महिलाओं के ब्रेस्ट हेल्थ (स्तन स्वास्थ्य) की निगरानी करने वाले ऐप्स और भारत की भाषाई विविधता के हिसाब से बने स्पीच-रिकग्निशन डिवाइसेज शामिल हैं।

टॉप इनोवेटर्स और उनके समाधान: एल्केमिस्ट (आंध्र प्रदेश): एक एआई-पावर्ड प्लेटफॉर्म जो डीप लर्निंग मॉडल की मदद से सब- क्लिनिकल सिलिकोसिस×स39; (फेफड़ों की बीमारी) की शुरुआती चरण में ही पहचान करता है।

बीआरएचएम (उत्तर प्रदेश): कम लागत वाला बायोनिक हाथ, जो दिव्यांगजनों की कार्यक्षमता को लौटाने में मदद करता है।

हीयर ब्राइट (दिल्ली): एआई स्मार्ट ग्लास, जो बोली को लिखित टेक्स्ट में बदल देते हैं, जिससे सुनने में अक्षम लोगों को बातचीत करने में मदद मिलती है।

ड्रग तस्करों की दरिंदगी: समुद्र तट पर रस्सियों से लटका दिए 5 मानव सिर

इक्वाडोर , एजेंसी।
दक्षिण-पश्चिमी इक्वाडोर के एक समुद्र तट पर उस समय सनसनी फैल गई जब लकड़ी के खंभों से रस्सियों के सहारे पांच मानव सिर लटके हुए मिले। पुलिस ने रविवार को इस भयावह घटना की पुष्टि की। स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में खून से सने सिरों का खौफनाक मंजर दिखाई दिया। सिरों के पास एक चेतावनी संदेश भी छोड़ा गया था, जो बंदरगाह शहर पुएर्तो लोपेज में मछुआरों से कथित तौर पर वसूली करने वालों को निशाना बनाकर लिखा गया बताया जा रहा है।

पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, यह वारदात आपस में भिड़ते आपराधिक गिरोहों के बीच चल रहे संघर्ष का नतीजा है। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह सक्रिय हैं,

जो ड्रग्स की ढुलाई के लिए मछुआरों और उनकी छोटी नौकाओं का इस्तेमाल करते रहे हैं। पुएर्तो लोपेज, मनाबी प्रांत में स्थित है, जो लंबे समय से ड्रग तस्करी के मार्गों पर नियंत्रण को लेकर हिंसा का केंद्र बना हुआ है। महज दो सप्ताह पहले इसी इलाके में हुए एक नरसंहार में छह लोगों की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी बढ़ाई थी

इसके बावजूद हिंसा नहीं रुकी। तीन दिन बाद मनाबी प्रांत के ही मांटा शहर में हुए एक अन्य सशस्त्र हमले में भी छह लोगों की जान चली गई। इक्वाडोर बीते चार वर्षों से भीषण हिंसा के दौर से गुजर रहा है। देश कोलंबिया की उत्तरी सीमा और पेरू की दक्षिणी सीमा से आने वाले मादक पदार्थों के भंडारण और वितरण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 2025 इक्वाडोर के इतिहास का सबसे हिंसक वर्ष रहा, जिसमें 9,000 से अधिक हत्याएं दर्ज की गईं। ताजा घटना ने एक बार फिर देश की सुरक्षा व्यवस्था और ड्रग माफिया के बढ़ते प्रभाव पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तीन हफ्तों में दूसरी बार न्यूजीलैंड के टौरंगा में सिख नगर कीर्तन का विरोध

टौरंगा, एजेंसी। न्यूजीलैंड के टौरंगा शहर में रविवार को सिख समुदाय के वार्षिक नगर कीर्तन के रास्ते में स्थानीय राइट-विंग धार्मिक समूह के लोगों ने फिर से दखल दिया। यह तीन हफ्तों में दूसरी बार है जब इस तरह का विरोध देखा गया है। नगर कीर्तन सुबह 11 बजे गुरुद्वारा सिख संगत मंदिर से शुरू हुआ और कैमरन रोड से टौरंगा बॉयज कॉलेज की ओर बढ़ा। पुलिस ने पहले से सुरक्षा बढ़ा रखी थी क्योंकि पिछले कुछ समय में इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं।

बता दें कि प्रदर्शन करने वाले समूह जो पेंटेकोस्टल नेता ब्रायन तमाकी के डेस्टिनी चर्च से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस समूह के लोगों ने कीर्तन के सामने मैओरी हाका नामक पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन किया और यह न्यूजीलैंड है, भारत नहीं, जैसे नारों वाले बैनर दिखाए। हालांकि कोई बड़ी हिंसा नहीं हुई और पुलिस तथा कीर्तन के स्वयंसेवकों की संयुक्त मदद से यह कार्यक्रम शांति से पूरा हो गया। इस विरोध प्रदर्शन को लेकर तमाकी ने सोशल मीडिया पर खुद एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने इस प्रदर्शन को शांति पूर्ण बताया। साथ ही वीडियो के कैप्सन में लिखा कि किसकी सड़के? कीवी की सड़के! हालांकि दूसरी ओर शिरोमणि गुरुद्वारा परबंधक समिति (एसजीपीसी) ने इस विरोध की कड़ी निंदा की है। पवित्र और शांतिपूर्ण प्रतीक है, और इसे रोकने की कोशिश धार्मिक आजादी तथा सामाजिक सद्भाव को चुनौती देना है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय हमेशा स्थानीय कानून और संस्कृति का सम्मान करता रहा है, लेकिन ऐसे व्यवस्थित विरोध ने समुदाय को गहरा दुख पहुंचाया है। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने इस विरोध प्रदर्शन को लेकर न्यूजीलैंड तथा भारत सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है।

हैरी पॉटर के हॉगवर्ट्स की याद दिलाते हैं चीन के अनोखे बुकस्टोर, देख कर रह जाएंगे दंग

बीजिंग, एजेंसी।
चीन तकनिक और डिजाईन की क्षेत्र में काफी आगे निकल चुका है। चीन की अत्याधुनिक इमारत, जिग-जैग सड़के और मशीने तो दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच ही रहे हैं। इस सब के बीच चीनी बुकस्टोर भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए है।

उत्तरी चीन के तियानजिन में स्थित एक किताब की दुकान इतनी खूबसूरत है आने-जाने वालों का मन मोह लेती है। इस दूकान में आने वाले लोगों का स्वागत अकॉर्डियन और स्पाइरल सीढ़ी करती हैं।

इस बुकस्टोर का शानदार इंटीरियर सिर्फ किताबी कीड़ों को ही नहीं बल्कि सेल्फी लवर को भी यहां लाने को मजबूर करता है। हैरी पॉटर के हॉगवर्ट्स से तुलना डेटा से पता चलता है कि देश भर में हार्ड-कॉपी

किताबों की बिक्री कोरोना महामारी से पहले के स्तर पर वापस नहीं आ पाई है, इसके बावजूद अधिकारी घरेलू खपत को बढ़ावा देने और ई-कॉमर्स बूम के लिए कोशिश कर रहे हैं। फिर भी, पिछले साल जनवरी में एक पब्लिशिंग इंडस्ट्री ग्रुप के प्रमुख ने कहा कि हाल के सालों में फिजिकल किताबों की दुकानों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। अनोखी विशेषताओं वाली किताबों की दुकानों की एक लहर सामने आई है। तियानजिन का ये झोंगशुगे बुकस्टोर सितंबर 2024 में खुला था। सोशल मीडिया पर इसकी तुलना हैरी पॉटर के हॉगवर्ट्स से की जा रही है। जो भी इस बुकस्टोर पर जाता है बिना सेल्फी लिए वापस नहीं आ पाता। इस बुकस्टोर की खूबसूरती देख टूरिस्ट सेल्फी स्टिक और ट्राइपॉड लिए यहां चले आते हैं। इसकी सेंट्रल सीढ़ियों तीन मंजिला बड़े-बड़े खंभों तक जाती हैं और छत पर मेहराब बनाती हैं। जमीन पर फोटो के लिए सबसे अच्छी जगह लिखे हुए प्रिंट चिपकाए गए हैं। बीजिंग के आर्किटेक्ट झेंग शिवेई का कहना है कि चीन में कुछ बुकस्टोर अब ऐसे इंटीरियर बनाने में इन्वेस्ट कर रहे हैं जिनकी तस्वीरें ली जा सकें। पिछले जून में, नानजिंग शहर का एक बुकस्टोर भी टूरिस्ट हॉटस्पॉट बन गया था। बाद में स्टोर में एक नोटिस लगाया गया जिसमें फ्लैश फोटोग्राफी, ट्राइपॉड, घूमने-फिरने और बिना इजाज़त के फोटो शूट पर बैन लगा दिया गया था। लोगों का कहना था कि ऐसा करने से वहां पढने के लिए आए लोगों को परेशानी होती थी।

वेनेज़ुएला पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयानः खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले वेनेज़ुएला पर सैन्य कार्रवाई कर और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर पूरी दुनिया में भूचाल ला गया था। वहीं अब वेनेजुएला से जुड़ा एक पोस्ट कर नई सनसनी फैला दी है। अपने ट्रूथ सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट कर ट्रंप ने खुद को वेनेज़ुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया है, उन्होंने इससे जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की है। खुद को 'वेनेज़ुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति' बताया डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने खुद को 'वेनेज़ुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति' बताया है। ट्रूथ सोशल पर साझा की गई इस पोस्ट में वेनेज़ुएला में हाल के घटनाक्रमों के बाद ट्रंप को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में दर्शाने वाली एक डिजिटल रूप से संपादित तस्वीर दिखाई गई है। यह तस्वीर ऐसे वक्त पर साझा की गई है, जब ट्रंप लगातार वेनेज़ुएला के तेल भंडार को लेकर तेल कंपनियों के साथ बैठक कर रहे हैं और लगातार ईरान-ग्रीनलैंड पर धमकी भरे लहजे में बयानबाजी कर रहे हैं। विकिपीडिया की संपादित तस्वीर में डोनाल्ड ट्रंप को जनवरी 2026 तक वेनेज़ुएला के वर्तमान राष्ट्रपति के रूप में दर्शाया गया। बता दें कि वेनेज़ुएला के नेता निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप ने यह भी दावा किया कि है जब तक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक अमेरिका वेनेज़ुएला सरकार का 'संचालन' करेगा। बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दुनिया की दिग्गज तेल-गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने साफ कर दिया कि वेनेज़ुएला में निवेश अब सीधे अमेरिका के साथ होगा, ना कि वेनेज़ुएला सरकार के साथ।

ईरान में खूनी दमन जारी: सड़कों पर लाशें और संसद में धमकियां

तेहरान , एजेंसी। ईरान में देशव्यापी प्रदर्शनों के दौरान की गई कार्रवाई में कम से कम 544 लोगों की मौत हो चुकी है और आशंका है कि मृतकों की संख्या इससे अधिक हो सकती है। यह दावा मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने किया है। वहीं, तेहरान ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका प्रदर्शनकारियों की रक्षा के लिए बल प्रयोग करता है, तो अमेरिकी सेना और इजराइल को "निशाना बनाया जाएगा। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज़ एजेंसी ने रविवार को बताया कि पिछले दो सप्ताह से जारी प्रदर्शनों के दौरान 10,600 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। यह एजेंसी हाल के वर्षों में हुई हिंसक घटनाओं के दौरान सटीक जानकारी देने के लिए जानी जाती रही है और ईरान में मौजूद अपने समर्थकों के जरिए सूचनाओं का सत्यापन करती है।

एजेंसी के अनुसार, मारे गए लोगों में 496 प्रदर्शनकारी और सुरक्षाबलों के 48 सदस्य थे। ईरान में इंटरनेट सेवाएं ठप होने और फोन लाइनों के काटे जाने के कारण विदेश से इन प्रदर्शनों की स्थिति का आकलन करना और अधिक कठिन हो गया है। 'एसोसिएटेड प्रेस स्वतंत्र रूप से मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सका है। ईरानी सरकार ने अब तक कुल हताहतों के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं। माना जा रहा

है कि सूचना पर रोक से ईरान की सुरक्षा सेवाओं के कट्टरपंथी तत्वों को और अधिक हिंसक कार्रवाई करने का हौसला मिल रहा है। शनिवार रात से रविवार सुबह तक राजधानी तेहरान और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया।

ऑनलाइन वीडियो में रविवार रात से सोमवार तक प्रदर्शन जारी रहने के दृश्य दिखाई दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की आंतरिक चर्चाओं से परिचित दो लोगों ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ईरान के खिलाफ संभावित कदम पर विचार कर रही है, जिनमें साइबर हमले और अमेरिका या इजराइल द्वारा सीधे सैन्य हमले शामिल हैं। इन लोगों ने सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने की अनुमति न होने के कारण नाम गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी। ट्रंप ने रविवार रात संवाददाताओं से कहा, "सेना इस पर विचार कर रही है और हम बहुत सख्त विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं। ईरान की जवाबी कार्रवाई की धमकियों पर उन्होंने कहा, "अगर उन्होंने ऐसा किया तो हम उन्हें ऐसे स्तर पर जवाब देंगे, जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा।

गणित में क्यों पीछे रह जाती हैं लड़कियां? ब्रिटेन की स्टडी ने खोली परतें

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति द्वारा स्थापित शिक्षा चैरिटी 'द रिचमंड प्रोजेक्ट' के एक नए सर्वे में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अध्ययन के मुताबिक, माताओं की गणित को लेकर घबराहट और आत्मविश्वास की कमी अनजाने में उनकी बेटियों तक पहुंच रही है, जिससे समय के साथ मैथ्स में लड़के-लड़कियों के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है। रविवार को 'द संडे टाइम्स' में प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार, चार से आठ साल की उम्र में ही यह फर्क दिखाई देने लगता है। जहां 51 प्रतिशत लड़के गणित को आसान मानते हैं, वहीं केवल 41 प्रतिशत लड़कियां ऐसा सोचती हैं। यह अंतर उम्र के साथ और गहरा हो जाता है। 9 से 18 वर्ष की उम्र में 86 प्रतिशत लड़के मैथ्स में आत्मविश्वास महसूस करते हैं, जबकि लड़कियों का आंकड़ा सिर्फ 63 प्रतिशत रह जाता है।

अक्षता मूर्ति ने बताया कि महिलाएं अक्सर बच्चों के गणित के होमवर्क में मदद करते समय ज्यादा घबराहट महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, अगर एक बच्ची अपनी मां को मैथ्स से डरते हुए

देखती है, तो वह अवचेतन रूप से वही डर अपना लेती है। यही चिंता पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है। अक्षता मूर्ति ने अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनकी मां सुधा मूर्ति इंजीनियर रही हैं और परिवार में स्त्रश्चरू से जुड़े कई रोल मॉडल रहे, जिससे गणित को लेकर उनका नजरिया सकारात्मक बना। 'द रिचमंड प्रोजेक्ट' का उद्देश्य रोजमर्रा की जिंदगी में गणित के उपयोग को सरल और व्यावहारिक बनाना है जैसे बजट बनाना, खरीदारी की योजना, खाना पकाने की मात्रा तय करना या यात्रा का समय समझना। इस अध्ययन में 8,000 वयस्कों को शामिल किया गया। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में लगभग दोगुना अधिक संख्या में अंकों को लेकर घबराहट महसूस करती हैं। कार्यस्थल पर सिर्फ 43 प्रतिशत महिलाएं नंबरों के साथ काम करना पसंद करती हैं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 61 प्रतिशत है। अक्षता मूर्ति का मानना है कि मैथ्स को किसी डरावने और अमूर्त विषय की जगह समस्या-समाधान का कौशल बनाकर पेश करना जरूरी है। यही वजह है कि वे अपनी बेटियों के साथ पहेलियां, क्रॉसवर्ड और नंबर गेम्स खेलती हैं।

कोविड वैक्सीन पर भिड़े अमेरिका-जर्मनी !

वाशिंगटन/पेरिस, एजेंसी।
जर्मनी की सरकार ने अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के उन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि जर्मनी कोविड-19 महामारी के दौरान वैक्सीन या मास्क से छूट देने वाले डॉक्टरों और मरीजों पर मुकदमे चला रहा है। जर्मनी की स्वास्थ्य मंत्री नीना वार्कन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिकी मंत्री के बयान पूरी तरह बेबुनियाद, तथ्यात्मक रूप से गलत और अस्वीकार्य हैं। दरअसल, ऋक्रय जूनियर ने एक वीडियो संदेश में कहा था कि उन्होंने जर्मन स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर चिंता जताई है कि जर्मनी में हजारों डॉक्टरों और उनके मरीजों को वैक्सीन या मास्क छूट देने के कारण कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जर्मन सरकार मरीजों की स्वतंत्र चिकित्सा पसंद को सीमित कर रही है।

हालांकि, वार्कन ने इन दावों को नकारते हुए कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जर्मनी में डॉक्टरों पर कोविड वैक्सीन देने की कोई बाध्यता नहीं थी। उन्होंने

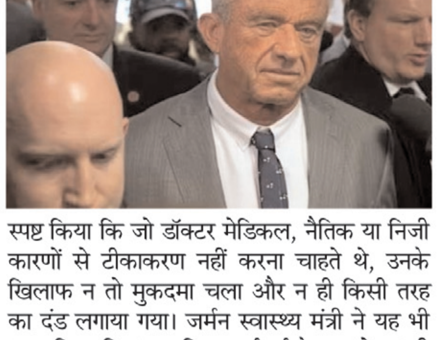

स्पष्ट किया कि जो डॉक्टर मेडिकल, नैतिक या निजी कारणों से टीकाकरण नहीं करना चाहते थे, उनके खिलाफ न तो मुकदमा चला और न ही किसी तरह का दंड लगाया गया। जर्मन स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी साफ किया कि आपराधिक कार्रवाई केवल धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेजों के मामलों में की गई, जैसे कि नकली वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट या फर्जी मास्क छूट प्रमाणपत्र जारी करना। उन्होंने जोर देकर कहा कि जर्मनी में मरीजों को यह अधिकार है कि वे कौन-सी चिकित्सा या इलाज अपनाना चाहते हैं।

एआई पर पहली बड़ी चोटः 2 देशों ने मस्क के 'ग्रोक' पर लगाया बैन

महिलाओं-बच्चों की खातिर लिया सख्त फैसला

क्वालालंपुर, एजेंसी।
मलेशिया और इंडोनेशिया एलन मस्क की कंपनी 'एक्सएआई द्वारा विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता चैटबॉट 'ग्रोक पर प्रतिबंध लगाने वाले दुनिया के पहले देश बन गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस टूल का दुरुपयोग अश्लील और बिना सहमति के डीपफेक चित्र तैयार करने में किया जा रहा था। मलेशिया और इंडोनेशिया के इस कदम से जनरेटिव एआई को लेकर वैश्विक चिंता झलकती है, क्योंकि ऐसे टूल वास्तविक जैसे दिखने वाले चित्र, आवाज और लिखित संदेश तैयार कर सकते हैं, जबकि मौजूदा सुरक्षा उपाय उनके दुरुपयोग को रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

मस्क के ही सोशल मीडिया मंच 'एक्स के माध्यम से उपलब्ध 'ग्रोक पर महिलाओं और बच्चों से जुड़े आपत्तिजनक और छेड़छाड़ वाले तैयार करने के आरोप लगे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के इन दोनों देशों के नियामकों ने कहा कि मौजूदा नियंत्रण उपाय नकली अश्लील सामग्री, खासकर महिलाओं और नाबालिगों से जुड़ी सामग्री के निर्माण और प्रसार को रोकने में असफल रहे हैं। इंडोनेशिया सरकार ने शनिवार को 'ग्रोक तक पहुंच अस्थायी रूप से बंद की, जबकि मलेशिया ने रविवार को ऐसा ही कदम उठाया। इंडोनेशिया की संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेउत्या हाफिद ने एक बयान में कहा, सरकार गैर-सहमति वाले डीपफेक को मानवाधिकारों, गरिमा और डिजिटल क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन मानती है।

मंत्रालय ने कहा कि यह कदम एआई के जरिए बनाई जा रही नकली अश्लील सामग्री से महिलाओं, बच्चों और व्यापक समुदाय की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। डिजिटल स्पेस निगरानी के महानिदेशक अलेक्जेंडर साबर ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि 'ग्रोक में ऐसे प्रभावी सुरक्षा उपाय नहीं हैं, जो इंडोनेशियाई नागरिकों की वास्तविक तस्वीरों के आधार पर अश्लील सामग्री के निर्माण और प्रसार को रोक सकें।

खबर-खास

कमला कॉलेज की छात्राएं चयनित, ईस्ट जोन अंतर विश्व विद्यालय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की चार छात्राओं का चयन आगामी ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में हुआ है। यह प्रतियोगिता दीनदयाल विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में 15 जनवरी से 19 जनवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। चयनित छात्राओं में कु. अनिशा, कु. टेमा, कु. सुमन (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) और कु. कंचन (बी.ए. तृतीय सेमेस्टर) शामिल हैं। इन छात्राओं का चयन राज्यस्तरीय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ। यह प्रतियोगिता 23 दिसंबर 2025 को शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद इन छात्राओं का चयन टेमचंद विश्ववित्तालय, दुर्ग की बॉस्केटबॉल टीम में किया गया था। महत्वपूर्ण यह है कि कु. अनिशा, कु. टेमा और कु. सुमन पिछले तीन वर्षों से सांई राजनांदगांव में बॉस्केटबॉल का प्रशिक्षण सुश्री दिव्या से प्राप्त कर रही हैं। फिलहाल, कु. अनिशा और कु. टेमा इस समय सिनियर नेशनल बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम, चेन्नई में हैं। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया, क्रीड़ाधिकारी डॉ. नीता एस. नायर और अन्य सभी प्राध्यापकों ने चयनित छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। महाविद्यालय की इस सफलता से न केवल खेल क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है, बल्कि यह अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का भी स्रोत बनेगा।

डिपो संचालक और मुंशी का विवाद, क्लब चुनाव जो न कराए सो कम

बिलासपुर (समय दर्शन)। रतनपुर रोड पर कई किलोमीटर के दायरे में पहले कोयले के अवैध कारोबार पर लंबी रपट लिखी थी और हेडिंग ही यह बताती थी कि इस धंधे में चारों खंबे काले हो रहे हैं। थोथा चना बाजे घना की तर्ज पर तीनों खंबे तो कभी एक दूसरे की या अपनी खाज नहीं दिखाई पर कथित चौथा खंभा फूट पड़ा है जब खबर छपी तो टिप्पणियों का दौर शुरू हुआ। संधि काल के बाद जैसे-जैसे भीनी रोशनी में टिप्पणियां रंगीन होने लगी एक सज्जन ने कहा मुंशी था अपनी हैसियत समझ कर बात करें मुंशी नौकरी करता था तो स्वीकार करने में क्या हर्ज था।

टिप्पणी पर तत्काल स्वीकार युक्ति आई डिपो संचालक नियोक्ता अपना नाम बता दे हम तो नौकरी करते थे। नौकरी वैध अवैध नहीं हो सकती डिपो वैध अवैध हो सकता है। कोयले के पूरे धंधे में क्लब के चुनाव की प्रतिस्पर्धा छाई हुई है। कोई बार-बार प्रत्याशी बनकर भी जल रहा है जीत नहीं रहा जीत का सहारा नहीं बन रहा खर्च का घंटा बज रहा है तो तिलमिलाहट स्वाभाविक है। वे जानते हैं जिसके घर कांच के होते हैं उन्हें दूसरों पर क्या नहीं फेंकना चाहिए पर चुनाव में एस आई आर का मुद्दा इतना भारी पड रहा है कि कांच के कई मकान दरक रहे हैं। कुछ खबर है कुछ गॉसिप है कुछ खबरें हैं और शेष तीन खंभे जो धंधों में ज्यादा सलीकेदार हैं इस बार जबरदस्ती बन गए खम्भो के रंग पर हंस रहे हैं।

चीजगांव में नवधा रामायण प्रारंभ

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम चीजगांव में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री अखण्ड नवधा रामायण समारोह का आयोजन रखा गया है। आयोजन 13 जनवरी से लेकर 16 जनवरी तक कुल चार दिन चलेंगे। आयोजन में समस्त धर्मप्रेमी जनों को आमंत्रित किया जा रहा है। समिति अध्यक्ष, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी चीजगांव में तैयारी को लेकर जुट गए हैं। नवधा रामायण का आयोजन दुर्गा मंच प्रागंण पर रखा गया है।

अवैध रेत उत्खनन, परिवहन व भंडारण पर की जा रही लगातार कार्रवाई, 01 चैन माउंटेन व 01 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में राजस्व एवं खनिज विभाग के संयुक्त दल द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण करने वाले वाहनो, स्थानों का औचक निरीक्षण कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज संयुक्त दल द्वारा तहसील जांजगीर के ग्राम लछनपुर के रेत घाट में अवैध उत्खनन पर कार्यवाही करते हुए एक चैन माउंटेन एवं एक ट्रैक्टर को जब्त कर सीलिंग की कार्यवाही की गई।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालो के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत कार्यवाही की गई है।

सतनामी समाज का विशाल परिचय सम्मेलन 25 को, विवाह के लिए युवाओं का होगा मिलन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कारधानी राजनांदगांव में 25 जनवरी को होने जा रहा सतनामी समाज का संभाग स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन एक नई सौगात लेकर आ रहा है। जिला सतनामी सेवा समिति पंजीयन क्रमांक 5041 के आयोजन में विवाह योग्य युवाओं और युवतियों के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा। यह कार्यक्रम न्यू बस स्टैंड जीई रोड स्थित सतनाम भवन में सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में विवाह योग्य युवक-युवतियां और उनके परिजन शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान जहां एक तरफ रिश्तों के बंधन जुड़ेंगे, वहीं दूसरी ओर विवाह की इच्छुक जोड़ों के लिए समिति द्वारा मंदिर में विवाह की व्यवस्था भी की जाएगी।

आयोजन समिति के अध्यक्ष युवराज दास ढिरहेर, उपाध्यक्ष कमलेश्वर साडे, प्रतिमा बंजारे, महामंत्री कमल कुमार लहरे, कोषाध्यक्ष संजीव बंजारे, सचिव ऋषि राय खरे एवं जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ हरीश सोनवानी ने बताया कि इस वर्ष का यह आयोजन पूरे राज्य में चर्चा का विषय बनेगा, क्योंकि कार्यक्रम का प्रसारण सोशल मीडिया और फेसबुक के जरिए किया जाएगा। इसके अलावा, पंजीकरण के लिए तीन अलग-अलग काउंटर खोले जाएंगे। पंजीकरण शुल्क 300 रुपये निर्धारित किया गया है और पंजीकरण के दौरान प्रतिभागियों को आधार कार्ड, 3 पासपोर्ट साइज फोटो, और अपनी योग्यता की जानकारी देनी होगी। पंजीकरण के बिना किसी भी प्रतिभागी को कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। समिति ने यह भी बताया कि सम्मेलन में एक नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य परामर्श और इलाज देंगे। इसके अलावा, सम्मेलन स्थल पर भोजन की भी व्यवस्था रहेगी।

कार्यक्रम में महिलाएं दोनों पक्षों की काउंसलिंग करेंगी, ताकि अधिक से अधिक विवाह संबंध बन सके। सम्मेलन के 30 दिन बाद, सभी पंजीकृत प्रतिभागियों का रंगीन बायोडाटा वैवाहिक पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा और इसे नि:शुल्क वितरित किया जाएगा।

मतदाता जागरूकता कार्यशाला आयोजन से नए मतदाताओं को लोकतंत्र में भागीदारी बनाने किया गया जागरूक

जाम गांव आर के विद्यार्थियों ने इस विषय पर आयोजित नुक्कड़ नाटक में प्राप्त किया पहला स्थान

पाटन (समय दर्शन)। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर में नए वर्ष में 1 जनवरी 2026 से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों तथा एस आई आर(विशेष गहन पुनरीक्षण) कार्य हेतु सभी विद्यार्थियों के लिए स्वीप तथा राष्ट्रीय सेवा योजना समिति द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में शासन के द्वारा निर्धारित एवं नियुक्त जाम गांव आर क्षेत्र की बी एल ओ श्रीमती मोहिनी मस्के ने विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता हेतु प्रेरित करते हुए उन्हें फॉर्म नंबर 6 प्रदान किया और सभी संलग्न किए जा सकने वाले डॉक्यूमेंट की जानकारी दी। इसके साथ ही एस आई आर के द्वारा अपनी मतदाता सूची के पुनरीक्षण की जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय की प्राचार्य डा शिखा अग्रवाल ने एक एक वोट का महत्व बताते हुए बिना समय गंवाए इस कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया और निर्देशित किया। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान प्रभारी श्री एश्वर्य ठाकुर ने एस आई आर के महत्व को समझाया और बताया कि सरकार की नीतियों के लाभ के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाग लेना आवश्यक है। स्वीप एवं रा से यो प्रभारी श्रीमती चेतना सोनी ने सभी विद्यार्थियों को फॉर्म की प्रक्रिया , वेबसाइट, एस आई आर लिस्ट देखने संबंधित जानकारी दी। इसके बाद विज्ञान और वाणिज्य के रा से यो विद्यार्थियों ने मतदान जागरूकता पर बहुत सुंदर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया । साल 18 पूरे है तो फॉर्म नंबर 6 जरूरी है , जैसे स्लोगन लिख कर मतदान जागरूकता प्रतियोगिता में भाग लिया । साथ ही विद्यार्थियों ने मतदान और एड्स जागरूकता पर किए नुक्कड़ नाटक में अपनी प्रतिभा के आधार पर शैल देवी अंडा महाविद्यालय में आयोजित स्प्रिंग फेस्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डीएवी किरंदुल ने किया संपूर्ण छत्तीसगढ़ का नाम रोशन

रितिका वेट्टी ने जीता राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय खेलों में डी ए वी किरंदुल की छात्रा ने जीता गोल्ड

रितिका वेट्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर लंबी कूद प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

दंतेवाडा किरंदुल (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल की प्रतिभावान छात्रा रितिका वेट्टी ने राष्ट्रीय स्तर खेलकूद प्रतियोगिता में जो भारत सरकार के स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफइंडिया से मान्यता प्राप्त है में स्वर्ण पदक प्राप्त कर न केवल किरंदुल दंतेवाडा वरन संपूर्ण छत्तीसगढ़ नाम रोशन किया है । डीएवी पब्लिक स्कूल के राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में पहले कई चरण से होकर के गुजरना पड़ता है जिसमें सर्वप्रथम संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता तत्पश्चात राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित होती है जो इस वर्ष दिनांक 10 जनवरी 26 से 12 जनवरी 26 तक दिल्ली में आयोजित हुई थी । इस प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत के 21 राज्यों के 900 से भी अधिक डीएवी पब्लिक स्कूल की छात्राएं भाग लेती है जिनके मध्य कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है इस प्रतियोगिता में 14 वर्ष तक के आयु वर्ग में लंबी कूद प्रतियोगिता में रितिका वेट्टी ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर संपूर्ण छत्तीसगढ़ को गोरावांवित किया है । वही 17 वर्ष तक के आयु वर्ग प्रतियोगिता में चार गुना 400 मीटर रिले रेस में विद्यालय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ जिसमें लक्ष्मी, लक्षिता, खुशी कुमारी भूमि ठाकुर और दामिनी निमलकर ने भाग लिया एवं संपूर्ण दंतेवाड़ा का नाम रोशन किया बच्चों की सफलता में विद्यालय की खेलकूद शिक्षिका तृप्ति प्रसाद का विशेष योगदान रहा जिनमें प्रशिक्षण में बच्चों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया साथ ही इस प्रतियोगिता में विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका रेखा सिंह एवं सीना बिनु मैडम ने एस्कॉर्ट टीचर के रूप में सहयोग किया एवं बच्चों को प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार श्रीवास्तव ने विजेता छात्राओं और खेलकूद शिक्षिका को विशेष रूप से सफलता पर शुभकामनाएं दी एवं भविष्य में विद्यालय व देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया , प्राचार्य महोदय ने राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता जिसमें संपूर्ण भारतवर्ष के खिलाड़ी भाग लेने आते हैं जिनमें कई खिलाड़ी पेशेवर व राष्ट्रीय स्तर के होते हैं उनसे मुकाबला करके स्वर्ण पदक प्राप्त करना किसी चमत्कार से काम नहीं है यह जीत निश्चित ही कड़ी मेहनत से प्राप्त हुई है । इन बच्चों की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है आज पूरा प्रदेश इन बच्चों से गौरवान्वित हुआ है और आगे भी इसी तरह की सफलता की उम्मीद हम करते हैं ।

कांग्रेस ने किया गृह मंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन

कवर्धा (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवीन जायसवाल के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक सिंह के नेतृत्व में शनिवार को कवर्धा में गृह मंत्री विजय शर्मा का विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया।'

जिला अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने बताया कि कवर्धा के काली गार्डन स्थित शिव मंदिर में शिवलिंग को चोरी कर लिया गया। इस घृणित घटना से न केवल धार्मिक आस्था पर सीधा हमला किया है, बल्कि यह भी साबित कर दिया है कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। इस शर्मनाक घटना से पूरे जिले में भारी आक्रोश व्याप्त है। 'शहर कांग्रेस कमेटी कवर्धा के अध्यक्ष अशोक सिंह ने इस निंदनीय कृत्य के खिलाफतथा जिले में व्याप्त अराजकता, अपराध और प्रशासनिक विफलता के विरोध में आक्रामक रुख अपनाते हुए गृह मंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन कर सरकार को चेतावनी दी है। कांग्रेस पार्टी ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यदि दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस उग्र एवं आक्रामक आंदोलन करने को बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।'

इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के समस्त पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता साथी एवं कांग्रेसजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और एक स्वर में अन्याय के खिलाफसंघर्ष का संकल्प लिया और कहा कि कांग्रेस अन्याय, अराजकता और धार्मिक आस्था पर हमलों के खिलाफचुप नहीं बैठेगी।

ओवरलोडिंग व धान रिसायक्लिंग में गंभीर उपलेटा राईस मिल को किया गया सील

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले में धान के अवैध ओवरलोडिंग और रिसायक्लिंग की शिकायतों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। राज्य शासन से प्राप्त अलर्ट तथा मुख्य सचिव की बैठक के उपरांत कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने उपलेटा व वर्धमान राइस मिल सहित उपार्जन केन्द्र नवागॉव घुठेरा का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं और गड़बड़ियां सामने आने पर उपलेटा राइस मिल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वहीं धान परिवहन एवं ओवरलोडिंग में संलिप्त 09 वाहनों को जब्त किया गया है। साथ ही वर्धमान राईस मिल की जांच जारी है। इसी तरह उपार्जन केन्द्र नवागॉव घुठेरा में बिना जीपीएस वाले वाहन के माध्यम से धान के उठाव की जानकारी पर जांच किया जा रहा है। कलेक्टर ने बताया कि जिले की राइस मिलों और सहकारी समितियों में धान की ओवरलोडिंग और रिसायक्लिंग से संबंधित लगातार शिकायतें एवं रिपोर्ट प्राप्त हो रही थीं। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर उपलेटा की 04 राइस मिलों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण के दौरान राइस मिल के पीछे की बाउंड्रीवाल टूटी हुई पाई गई, जिससे बाहरी धान को अवैध रूप से खपाने की आशंका जताई जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि कस्टम मिलिंग के नाम पर प्राइवेट मिलिंग की जा रही थी। इसके अलावा विभिन्न फर्मों के बीच किसी प्रकार का अधिकृत एंट्री-एग्जिट गेट नहीं था, जिससे एक फर्म का चावल दूसरी फर्म में अवैध रूप से खपाया जा रहा था। कलेक्टर ने बताया कि राज्य से प्राप्त अलर्ट में जिस वाहन में धान के मूवमेंट की जानकारी मिली थी, वही वाहन राइस मिल परिसर में पाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में ओवरलोडिंग, अवैध परिवहन एवं धान रिसायक्लिंग से जुड़ा सुनियोजित नेटवर्क होने की संभावना भी सामने आई है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित राइस मिल संचालकों, फर्मों एवं संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफकड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर लंगेह ने किया बसना के पौंसरा और खरोरा उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण

जिले में धान खरीदी सुचारू रूप से जारी, 6.88 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी, राज्य में सर्वाधिक

बसना(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज ग्राम पाउँसरा और खरोरा धान उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर खरीफधान खरीदी प्रक्रिया की समुचित व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध सुविधाएँ तथा खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने धान खरीदी केंद्रों पर धान प्रबंधन, तौल प्रक्रिया, किसान टोकन प्रणाली और भुगतान से जुड़ी व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों से कहा कि धान खरीदी कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसानों को समय पर न्यूनतम समर्थन मूल्य भुगतान सुनिश्चित करना प्राथमिकता हो। इस दौरान कलेक्टर ने किसानों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं तथा सुझावों को सुना। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि प्रशासन धान खरीदी में पारदर्शिता और सुविधा बनाए रखने के लिए नियमित मॉनिटरिंग कर रहा है।

साथ ही कलेक्टर ने केंद्र प्रभारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र पर धान की स्टैकिंग, वज़न माप और ऑनलाइन रिकॉर्डिंग सिस्टम को समय-समय पर अपडेट किया जाए और किन्हीं भी गड़बड़ियों को तुरंत सुधारा जाए। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि उपार्जन केंद्रों में धान का अनावश्यक भंडारण न होने दिया जाए। उन्होंने मिलर्स एवं परिवहन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर नियमित एवं तेज गति से धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बारिश अथवा अन्य कारणों से धान को नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि जिन केंद्रों में उठाव की गति धीमी है, वहां तत्काल सुधार किया जाए तथा दैनिक प्रगति की सतत निगरानी की जाए।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के मंशानुरूप जिले में धान खरीदी का कार्य पादर्शिता एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था के साथ सुचारू रूप से जारी है। 13 जनवरी की स्थिति में जिले के 182 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से लगभग 6 लाख 88 हजार 326 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है, जो राज्य में सर्वाधिक है। अब तक मिलर्स द्वारा लगभग 02 लाख 37 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है। वहीं लगभग 4 लाख 89 हजार 421 मीट्रिक टन धान का डी.ओ. जारी किया गया है।

शासकीय प्राथमिक शाला गोइन्द्री में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

बच्चों की जान पर मंडरा रहा खतरा, कलेक्टर जनदर्शन में सौंपा गया त्वरित कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन

मुंगेली (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सबको शिक्षा, सुरक्षित शिक्षा के उद्देश्य से संचालित शासकीय विद्यालयों की जमीनी हकीकत यदि देखनी हो, तो मुंगेली जिले के पथरिया विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत गोइन्द्री में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला गोइन्द्री की वर्तमान स्थिति किसी गंभीर चेतावनी से कम नहीं है।

विद्यालय में अध्ययनरत लगभग 197 नन्हे छात्र-छात्राएँ आज मूलभूत सुविधाओं के अभाव, गंभीर सुरक्षा जोखिमों और प्रशासनिक उदासीनता के बीच शिक्षा ग्रहण करने को विवश हैं। विद्यालय परिसर में व्याप्त समस्याएँ केवल कागजी नहीं, बल्कि प्रतिदिन बच्चों के जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य से सीधे जुड़ी हुई हैं।इन्हीं गंभीर परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम पंचायत गोइन्द्री निवासी समीर कुमार टंडन द्वारा जिला कलेक्टर मुंगेली के जनदर्शन कार्यक्रम में एक विस्तृत प्रतिवेदन सौंपते हुए तत्काल एवं समयबद्ध कार्यवाही की मांग की गई है।

शौचालय सुविधा का अभाव स्वच्छता और सम्मान दोनों पर संकट शासकीय प्राथमिक शाला गोइन्द्री में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए पृथक पुरुष एवं महिला शौचालयों की समुचित व्यवस्था नहीं है। यह स्थिति न केवल स्वच्छ भारत मिशन एवं विद्यालय स्वच्छता मानकों के विपरीत है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं गरिमा पर भी सीधा आघात करती है।विशेष रूप से बालिकाओं के लिए शौचालय का अभाव अत्यंत चिंताजनक है। किशोरावस्था की ओर बढ़ रही छात्राओं को विद्यालय समय में असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।कई बार उन्हें मजबूरी में घर लौटना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है और ड्रॉप-आउट की आशंका बढ़ जाती है।

स्वच्छता के अभाव से संक्रमण, पेट संबंधी रोग एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।विद्यालय परिसर से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन हर पल जानलेवा खतरा विद्यालय की सबसे भयावह एवं संवेदनशील समस्या है।विद्यालय परिसर के ठीक मध्य से गुजर रही 11,000 वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन।यह लाइन विद्यालय भवन के ऊपर से तथा बच्चों के खेलकूद एवं आवागमन क्षेत्र के अत्यंत निकट स्थित है। छोटे-छोटे मासूम बच्चों की उपस्थिति वाले विद्यालय में इस प्रकार की उच्चदाब विद्युत लाइन किसी भी समय बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।तेज हवा, बारिश, आंधी-तूफान अथवा तकनीकी खराबी की स्थिति में तार टूटने या करंट फैलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)

//ईश्तहार//

रा.प्र. क्र. / 202601101500010/ अ-6/ 2025-26, पाटन, दिनांक 09/01/2026
ग्राम भोथली प.ह.नं. 01
तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास विजय बजाज पिता स्व. विजय कुमार बजाज निवासी रायपुर द्वारा मौजा ग्राम भोथली प.ह.नं. 01 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 103, 10.4, 106 रकबा क्रमश: 0.52 0.50, 1.00 हे. श्रीमति सुलोचना पति भगवती प्रसाद बजाज के नाम पर शासकीय पट्टेदार में दर्ज है। उक्त भूमि के खातेदार का दिनांक 22.08.2025 को फौत हो चुका है। आवेदित भूमि को भूमिस्वामी श्रीमति सुलोचना देवी बजाज ने अपनी चल एवं अचल संपत्ति को अपनी अंतिम इच्छानुसार अपने पोते आवेदक विकास विजय बजाज को वसीयत करते हुए भूमि स्वामी हक प्रदान करने की घोषणा की थी की दिनांक 15.01.2023 को अपनी अंतिम इच्छा से हिन्दू विधि अनुसार वसीयत का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया है। अत: आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि को वसीयतनामा के आधार पर अपने नाम नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अत: आवेदक द्वारा वसियत नामांतरण में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 29/01/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 09/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रदेश स्तरीय होगा भव्य आयोजन: कलेक्टर उइके

कलेक्टर उइके ने राजिम विश्राम गृह में अधिकारियों की समय-सीमा बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने आज राजिम के विश्राम गृह में जिला अधिकारियों की समय-सीमा की बैठक लेते हुए राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ कल्प मेला प्रदेश स्तरीय होगा। तथा इस मेला का आयोजन भव्य रहेगा। जिसमें श्रद्धालु, साधु-संत, कलाकार एवं दर्शनार्थी राजिम पहुँचेंगे। ऐसे में सभी विभागों को समय-सीमा के भीतर अपने-अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना होगा, ताकि मेला निर्विघ्न,सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। कलेक्टर ने राजिम कुंभ कल्प मेला स्थल पर मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर देते हुए कहा कि पेयजल, स्वच्छता,स्वास्थ्य सेवाएँ, सुरक्षा व्यवस्था,आवागमन,पार्किंग प्रबंधन, विद्युत आपूर्ति एवं प्रकाश व्यवस्था जैसे सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पूर्ण गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में प्रवेश मार्गों की मरम्मत,साफ-सफाई,अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था तथा चिकित्सा शिविरों की स्थापना समय रहते पूरी कर ली जाए।

उन्होंने पुलिस विभाग को भीड़ प्रबंधन, यातायात कंट्रोल और सुरक्षा की दृष्टि से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला स्थल पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, कंट्रोल रूम संचालन तथा सुरक्षा कर्मियों की तैनाती प्रभावी ढंग से की जाए। स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस, मोबाइल मेडिकल यूनिट और प्राथमिक उपचार केंद्र उपलब्ध कराने और नगरीय निकाय के अधिकारियों को मेला परिसर एवं नगरीय निकाय राजिम की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ कल्प मेला गरियाबंद जिले की पहचान है। इसकी गरिमा और परंपरा को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सभी अधिकारी टीम भावना के साथ कार्य कर मेला को सफल बनाने में अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। श्री उइके ने बताया कि मेला स्थल में मेलार्थियों के लिए सभी सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही दुकान, विभागीय स्टॉल एवं मीना बाजार भी लगाए जाएंगे। लोगों की आवागमन सुविधा के लिए वृहद स्तर पर पार्किंग भी बनाए जाएंगे।मेला के लिए सभी टेंडर का कार्य जल्द करने के निर्देश दिए।

"मेरे सपनों का कवर्धा" विषय पर निबंध प्रतियोगिता 23 को

स्वच्छ, सुंदर और विकसित कवर्धा की कल्पना-चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा नगरवासियों एवं विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 23 जनवरी को किया जा रहा है। प्रतियोगिता का विषय मेरे सपनों का कवर्धा निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अंतिम तिथि 18 जनवरी 2026 रखी गई है।

यह प्रतियोगिता दो श्रेणियों में होगी। पहली श्रेणी आम नागरिकों के लिए तथा दूसरी श्रेणी कक्षा 10वीं से ऊपर के स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए निर्धारित की गई है। प्रतिभागियों को निबंध में कवर्धा नगर के विकास, स्वच्छता, हरियाली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क सुरक्षा, यातायात, संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता एवं नागरिकों की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे। निबंध की कुल शब्द सीमा लगभग 30-35 शब्द की भूमिका, 80-90 शब्द का मुख्य भाग, एवं 25-30 शब्दों का निष्कर्ष होना चाहिए। इस तरह कुल 150 शब्दों की सीमा तय की गई है।

उत्कृष्ट प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार

निबंध लेखन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जिसमें प्रथम पुरस्कार ?3100, द्वितीय पुरस्कार ?2100 एवं तृतीय पुरस्कार ?1100 निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त टॉप-20 प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

23 जनवरी को होगा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि प्रतियोगिता से संबंधित पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन 23 जनवरी 2026 को दोपहर 12 बजे से, पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य नागरिकों और युवाओं को शहर के भविष्य के प्रति सोचने एवं सकारात्मक सुझाव देने का अवसर देना है। उन्होंने कवर्धा के नागरिकों एवं 10वीं से लेकर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मेरे सपनों का कवर्धा अंतर्गत आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा आयोजित यह निबंध लेखन प्रतियोगिता केवल एक साहित्यिक आयोजन नहीं, बल्कि शहर के भविष्य को लेकर सामूहिक चिंतन की अनूठी पहल है। आमतौर पर विकास योजनाएँ प्रशासनिक स्तर पर तय होती हैं, लेकिन इस प्रतियोगिता के माध्यम से नगर के नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों को सीधे अपनी सोच, सुझाव और सपनों को व्यक्त करने का अवसर दिया जा रहा है मेरे सपनों का कवर्धा विषय के जरिए प्रतिभागी नगर के विकास, स्वच्छता, हरियाली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क सुरक्षा, यातायात, संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता एवं नागरिकों की जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। इससे न केवल नागरिकों की अपेक्षाएँ सामने आएंगी, बल्कि प्रशासन को भी जमीनी स्तर से उपयोगी सुझाव प्राप्त होंगे, जो भविष्य की योजनाओं में मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

किरंदुल खदान (एनएमडीसी) को ओवरऑल प्राईज कैटेगरी-ए में द्वितीय पुरस्कार, कई श्रेणियों में सम्मानित

दंतेवाडा किरंदुल (समय दर्शन)। रायपुर क्षेत्र द्वारा आयोजित 9वां खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह 2025-26 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 11 जनवरी 2026 को मायरा रिसॉर्ट, आरंग रोड, रायपुर में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की लगभग 70 विभिन्न खदानों ने भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर उपस्थित रहे।

एनएमडीसी की किरंदुल कॉम्प्लेक्स (बैलाडीला आयरन ओर माइंस) को कई महत्वपूर्ण श्रेणियों में सम्मानित किया गया:

निक्षेप- 14 एमएल (डिपॉजिट- 14 एमएल): व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक विकास में तृतीय पुरस्कार, सतत विकास में द्वितीय पुरस्कार, प्रचार एवं प्रसार में द्वितीय पुरस्कार।

निक्षेप- 14 एनएमजेड (डिपॉजिट- 14 एनएमजेड): अपशिष्ट प्रबंधन में द्वितीय पुरस्कार, पर्यावरण निगरानी में प्रथम पुरस्कार।

निक्षेप-11 एमएल (डिपॉजिट-11 एमएल): वनरोपण में द्वितीय पुरस्कार, खनिज संरक्षण में द्वितीय पुरस्कार।

निक्षेप-14 एमएल खदान: ओवरऑल प्राईज कैटेगरी-ए में द्वितीय पुरस्कार। ये पुरस्कार मुख्य अतिथि के हाथों परियोजना की ओर से श्री संजय कोचर (महाप्रबंधक - खनन/खान प्रबंधक), एस.के. पांडे (उप महाप्रबंधक - सिविल), सुशांत रामटेके (उप महाप्रबंधक - खनन), अवनीश शर्मा (उप महाप्रबंधक - पर्यावरण) और सुधीर गायकवाड़ (वरिष्ठ प्रबंधक - भू-विज्ञान) ने ग्रहण किए।

13 जनवरी 2026 को इन पुरस्कारों को परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण, अधिशासी निदेशक को सौंपा गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख ने सभी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। समारोह में के.पी. सिंह (मुख्य महाप्रबंधक - उत्पादन), संजय कोचर, अवनीश शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

यह उपलब्धि एनएमडीसी किरंदुल कॉम्प्लेक्स की पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, खनिज संरक्षण और वैज्ञानिक खनन प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यादव महासभा का यादव मिलन समारोह एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

दुर्ग। दुर्ग नगर यादव महासभा द्वारा 11 जनवरी-2026 दिन रविवार को यादव छात्रावास पचरीपारा वार्ड नंबर-28 दुर्ग में यादव मिलन समारोह,युवक -युवती सम्मेलन का कार्यक्रम हर्षोल्लास मय संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों के खेलकूद(कुर्सी दौड़,आलू दौड़,मटका फोड़, रस्सी दौड़, सुईधागा, गोली चम्मच दौड़) तथा मेधावी छात्र-छात्राओं एवं समाज के वरिष्ठजनों का प्रशस्ति पत्र एवं शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय गजेन्द्र यादव जी(कैबिनेट मंत्री छ़गशासन),विशेष अतिथि माननीय ललित चंद्राकर विधायक दुर्ग ग्रामीण, मान.श्रीमति अल्का बाघमार (महापौर-दुर्ग),माननीय शिवराज राउत जी, राजेश ताम्रकार जी, ममता ओमप्रकाश जी पार्षद, बबीता यादव पार्षद उपस्थित रहें।

विद्यार्थियों ने प्राप्त किए प्रमाण पत्र और दिखाया भावी उद्यमी बनने का आत्म विश्वास

ग्रामीण क्षेत्र में कौशल उद्यमिता विकास प्रशिक्षण संचालन करने वाला पहला महाविद्यालय बना जाम गांव आर - स्वावलंबन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

पाटन (समय दर्शन)। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर में एक सप्ताह तक चले कौशल उद्यमिता विकास कार्यक्रम जो आर से टी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग और बैंक ऑफ़बड़ौदा के माध्यम से प्रारंभ हुआ था का समापन सत्र विद्यार्थियों के आत्म विश्वास से सराबोर था संपन्न हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल के दूर दृष्टिकोण निर्णय तथा जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश केला जी के सहयोग से संपन्न हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों विशेष कर ग्रामीण छात्राओं ने स्वयं को आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने के लिए पहला कदम बढ़ाया। यह अत्यंत हर्ष की बात थी कि स्वयं छात्राओं ने आगे आकर अपना व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए संकल्प प्रस्तुत किया। सफल छात्राओं को आर से टी के संचालक श्री गुलशन सिंह द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया उन्होंने भविष्य में सफल उद्यमी बनने के लिए प्रेरित और उनके द्वारा बनाए गए उत्पाद जिसमें साबुन, कैंडल डिशवॉशर, अगरबत्ती हार्पिक आदि हैं उन्हें विक्रय करने के लिए सभी सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल को कैंपस में सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय के सहयोग से विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए इन उत्पादों को विक्रय करने के लिए एक मंच प्रदान किया जाएगा जहां विद्यार्थी अपने उत्पादों को स्वयं बेच सकेंगे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शिखा ने भी विभिन्न संस्थाओं से मार्केटिंग सहयोग प्राप्त करने में अपनी भूमिका निभाई और विद्यार्थियों को यह आश्वासन दिया कि उनके द्वारा बनाए उत्पाद विशेषकर खूबसूरत कैंडल्स महत्वपूर्ण उत्सवों जैसे दिवाली , क्रिसमस आदि पर विक्रय किए जा सकेंगे। कार्यक्रम की संयोजक उद्यमिता एवं प्लेसमेंट प्रभारी श्रीमती चेतना सोनी, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ आबिद हसन खान एवं आई क्यू ए सी प्रभारी डॉ अरुणेंद्र तिवारी ने पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में जागृत आत्मविश्वास की प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसी प्रशिक्षण प्रक्रिया जारी रहने का आश्वासन दिया। जिन विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ वह भविष्य में अपना उद्यम और छोटे विधाओं को सीखने के लिए प्रेरित दिखे। ज्ञातव्य हो कि महाविद्यालय के द्वारा शीघ्र ही अचार , पापड़ , जैम जेली की बैच भी प्रारंभ की जा रही है।

पिथौरा वन परिक्षेत्र में इमारती सागौन लकड़ी के अवैध भण्डारण पर कार्यवाही

पिथौरा(समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना पिथौरा वन परिक्षेत्र में अवैध सागौन लकड़ी की जप्ती सतत जारी है। मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन बसना में अवैध इमारती लकड़ी पर कार्यवाही पश्चात वन परिक्षेत्र पिथौरा अन्तर्गत ग्राम जम्हर मे 13.01.2025 को मुखबिर की सूचना पर सीताराम चौधरी पिता गणेशराम चौधरी के घर बाड़ी मे तलाशी लेने पर सागौन इमारती एवं चिरान की जप्ती किया गया है ।

उक्त कार्यवाही में वनअपराध प्रकरण क्रमांक 13417/25 दिनांक 13.01.2026 द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 एवं लोकसंपति क्षति निवारण अधिनियम 1984 सहित अन्य धाराओं के तहत कार्यवाही किया गया ।

उक्त कार्यवाही वनमंडलाधिकारी महासमुंद मयंक पांडेय के निर्देशन में, संयुक्त वनमंडलाधिकारी पिथौरा सुश्री डिम्पी बैस के मार्गदर्शन मे एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा शालिकराम डडसेना के नेतृत्व मे सुबह तड़के से ग्राम जम्हर में सीताराम चौधरी के घर दबिश दिया गया। तलाशी कार्यवाही के दौरान घर एवं बाड़ी से सागौन लट्ठा एवं चिरान जप्त किया गया । बाड़ी में पैरा मे छिपा कर रखे सागौन के गोले लगभग एक सप्ताह पूर्व जंगल से काटकर लाकर रखा गया था । आरोपी ने बताया कि उसे अपनी लड़की की शादी के लिए फर्नीचर बनवाने के लिए मजदूरो से घर से लगे जंगल से सागौन लकड़ी को सांगा से मंगाना स्वीकार किया । ईमारती लकड़ी का मुल्य लगभग एक लाख बत्तीस हजार का है प्रकरण की जांच किया जा रहा है । इस पूरी कार्यवाही में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम पिथौरा ननकुशिया साहू, ललित पटेल, परिसररक्षी जम्हर मोह रज्जाक, परिसर रक्षी राजाडेरा प्रीतराम साहू , शुभम तिवारी, कोकिल कांत दिनकर, विरेन्द्र बंजारे, कुलेश्वर डडसेना, प्रभा ठाकुर, दीपिका रात्रे, पुष्पा नेताम एवं सुरक्षा श्रमिकों सहित जन प्रतिनिधियो की उपस्थिति मे कार्यवाही कर जप्त वनोपज को काष्ठागार पिथौरा परिवहन किया गया । आरोपी से पूछताछ एवं विवेचना जारी है।

आलोट में एक दिवसीय पत्रकार सम्मेलन, कार्यशाला एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा भारत की इकाई आलोट-ताल, जिला रतलाम तथा नेशनल मीडिया मेन वेलफेयर ट्रस्ट इंडिया (पंजीयन क्रमांक ए.यू.-265) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 11 जनवरी 2026 को स्वर्णकार समाज धर्मशाला, आलोट में एक दिवसीय पत्रकार सम्मेलन, कार्यशाला एवं प्रतिभा सम्मान समारोह2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान के पत्रकारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुणाल गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष रामसिंह नायक, प्रदेश महासचिव भारतलाल सोनी, संभागीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद जायसवाल सहित राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा भारत छत्तीसगढ़ के समस्त पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंच पर नेशनल मीडिया मेन वेलफेयर ट्रस्ट इंडिया के महानिदेशक के.सी. यादव,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुणाल गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष रामसिंह नायक प्रदेश अध्यक्ष डी.एस. गुरुदत्ता, संरक्षक ओ.पी. सिंह यादव, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष वकील खान, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. डी.के. शर्मा, प्रदेश सह-सचिव दिनेश जांगलवा, प्रदेश महासचिव प्रमोद चरसले एवं ताल अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा मंचासीन रहे।

पत्रकार कार्यशाला के दौरान वक्ताओं ने पत्रकारिता की वर्तमान चुनौतियों, डिजिटल मीडिया की भूमिका, निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता, पत्रकार सुरक्षा तथा संगठन की एकजुटता पर विस्तार से विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सत्यनिष्ठ पत्रकारिता ही समाज को सही दिशा दे सकती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक जितेंद्र गहलोत ने कहा कि पत्रकार सच्चाई लिखने की ताकत रखता है और जो सच्चाई लिखता है उसे कोई डगमगा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया का देश की आजादी में ऐतिहासिक योगदान रहा है, वहीं वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया देश-विदेश की जानकारियां जनता तक शीघ्रता से पहुंचा रहा है। वहीं राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा के महानिदेशक के.सी. यादव ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता करना एक बड़ी चुनौती है, इसके बावजूद पत्रकारों का दायित्व है कि वे सच को सामने लाएं। उन्होंने प्रदेश सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग भी की। स्वागत भाषण प्रदेश सचिव दिनेश जांगलवा ने दिया। इस अवसर पर आलोट नगर में लगातार 27 वर्षों से राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा भारत के बैनर तले सफल पत्रकार सम्मेलन आयोजित करने वाले प्रदेश सचिव दिनेश जांगलवा को छत्तीसगढ़, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की राज्य इकाइयों द्वारा शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त-खबर

चाय पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई के अहिवारा मंडल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत अहिवारा विधानसभा बस स्टैंड परिसर में आयोजित स्टाल — चाय पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुआ। इस अवसर पर पुरुषोत्तम देवांगन (जिलाध्यक्ष, भाजपा भिलाई) श्रीमती सरस्वती बंजारे (अध्यक्ष — जिला पंचायत दुर्ग), जिला उपाध्यक्ष नटवर ताम्रकार ,लीमन साहू (जनपद अध्यक्ष धमधा) अशोक बाफ्ना (उपाध्यक्ष अहिवारा नगर पालिका) विनोद सिंह, रामजी निर्मलकर (मंडल अध्यक्ष अहिवारा) मंडल महामंत्री शुभम ताम्रकार जी निमेश मिश्रा जी जिला प्रभारी — आत्मनिर्भर भारत तिलकराज यादव एवं सह प्रभारी गण विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, पार्षदगण, छाया पार्षद, पूर्व पार्षद, पूर्व पदाधिकारीगण तथा वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता गण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत विज़न को जन-जन तक पहुँचाने एवं स्थानीय स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने पर सकारात्मक संवाद हुआ।

एनएमडीसी की किरंदुल परियोजना को मिला प्रतिष्ठित प्लेटिनम ग्रीन एनवायरो सेफ्टी अवार्ड

दंतेवाडा किरंदुल (समय दर्शन)। दंतेवाडा किरंदुल गोवा में आयोजित ग्रीन इनविरो फ़ाउंडेशन के द्वितीय वार्षिक समारोह में एनएमडीसी लिमिटेड की बैलाडिला आयरन ओर माइंस (बीआईओएम) कॉम्प्लेक्स, किरंदुल को वर्ष 2024-25 के लिए सुरक्षा उत्कृष्टता श्रेणी में प्रतिष्ठित प्लेटिनम ग्रीन एनवायरो सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

यह भव्य समारोह सोमवार को होटल ताज, सिडाडे डे हैरिटेज, गोवा में आयोजित हुआ। अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रतिनिधियों में एम. सुब्रमण्यम, महाप्रबंधक (विद्युत) संयंत्र एवं सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशासन, सुरक्षा एवं पर्यावरण) शामिल थे, जिन्होंने मुख्य अतिथि के हाथों यह सम्मान ग्रहण किया।

परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण, अधिशासी निदेशक ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर सभी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह पुरस्कार एनएमडीसी की पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा मानकों और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह अवार्ड खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन, सुरक्षा प्रथाओं और हरित पहलों के लिए दिया जाता है, जो एनएमडीसी की जिम्मेदार खनन नीति की मिसाल पेश करता है।

चुनकट्टा में क्रिकेट स्पर्धा 18 जनवरी से

पाटन (समय दर्शन)। न्यू ज्योति क्रिकेट क्लब चुनकट्टा व समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से ग्राम चुनकट्टा में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता क्रिकेट का महासंग्राम 2026 का आयोजन 18 जनवरी दिन रविवार से किया जा रहा है टूर्नामेंट के आयोजन समिति के बसंत कुमार साहू एवं कुलदीप यादव ने बताया की 18 जनवरी दिन रविवार को सुबह 10 बजे प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। प्रवेश शुल्क मात्र 600 रु रखा गया है प्रथम पुरस्कार 15001 रु नगद व वीनर ट्रॉफी द्वितीय पुरस्कार 8001 रु नगद व रनर अप ट्रॉफी ,तृतीय पुरस्कार 5001 रु नगद व रनर अप ट्रॉफी व चतुर्थ पुरस्कार 3001 रु नगद व रनर अप ट्रॉफी दिया जाएगा इसके अलावा अन्य विशेष पुरस्कार भी रखे गए है टूर्नामेंट का फ़ाइनल मैच गणतंत्र दिवस के शुभअवसर पर 26 जनवरी को खेला जाएगा।

राजस्व वसूली एवं लंबित बकायादारों का लाईन विच्छेदन की कार्यवाही

महासमुन्द (समय दर्शन)। अधीक्षण अभियंता, महासमुंद (वृत्त) के निर्देशन में टीम गठित कर राजस्व वसूली हेतु महासमुंद संभाग के कार्यपालन अभियंता पी.आर. वर्मा के नेतृत्व में महासमुंद शहर (जोन) के अंतर्गत 12/01/2026 को बिजली बिल हेतु लंबित बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं का सामूहिक रूप से लाइन विच्छेदन किया गया है। इस दौरान महासमुंद शहर (जोन) के कुल बकाया राशि रूपये 26,45,123 वाले 225 उपभोक्ता हैं जिनमें प्रमोद मिश्रा, जानकी बाई सारथी बाई, गिरजा बाई साहू, अभिराम चौहान एवं आदि का विच्छेदन किया गया। विच्छेदन उपरांत कुल 30 उपभोक्ताओं द्वारा कुल राशि रूपये 360696 का भुगतान प्राप्त हुआ है, राजस्व वसूली की कार्यवाही निरंतर आगे भी जारी रहेगी। लाइन विच्छेदित उपभोक्ताओं द्वारा यदि अनधिकृत लाइन जोड़ी जाती है तो विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 138 के तहत कार्यवाही किया जाएगा। उपभोक्ता असुविधा से बचने के लिए बकाया बिजली बिल की राशि हर माह भुगतान करें।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्पलेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26